शुभं करोति कल्याणं
आरोग्यं गुणः सम्पदाम
दुष्ट बुद्धि विनाशाय
दीपज्योति नमोस्तुते।

दिव्य आकाश

भगवान धनवंतरी जयंती / धनतेरस एवं दीपावली की शुभकामनाएं...

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

स्वास्थ्य के देवता भगवान धनवंतरी सबको स्वस्थ रखें ...।

वर्ष 17, अंक-31 | कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी, विक्रम संवत् 2083, कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 06 से 12 नवम्बर 2026 | पृष्ठ-8, मूल्य- रू. 3/-

400 से ज्यादा D.Ed-कैंडिडेट्स ने गजेंद्र यादव का बंगला घेरा

रायपुर में पुलिस ने घसीटकर बस में डाला, परिवार संग धरने पर बैठे थे



रायपुर, एजेंसी।

रायपुर में गुरुवार सुबह D.Ed अभ्यर्थियों ने सहायक शिक्षक के 2,300 पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के बंगले का घेराव किया। 400 से ज्यादा अभ्यर्थी परिवार के सदस्यों के साथ बंगले के बाहर धरने पर बैठ गए। वे नियुक्ति की तारीख घोषित करने की मांग कर रहे थे। अभ्यर्थियों का कहना था कि जब तक तारीख घोषित नहीं होगी, धरना जारी रहेगा। लंबे समय से नियुक्ति की मांग पूरी नहीं होने से नाराज अभ्यर्थी गुरुवार तड़के मंत्री के बंगले पहुंचे थे। बाद में पुलिस ने अभ्यर्थियों को बसों में भरकर वहां से हटाया। तूता धरना स्थल पहुंचाया गया।

महादेव सट्टा ऐप को-प्रमोटर रवि उप्पल UAE में पकड़ाया

रायपुर, एजेंसी।

महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप को-प्रमोटर रवि उप्पल को UAE में गिरफ्तार किया गया है। भारतीय जांच एजेंसियों के अनुरोध पर इंटरपोल की ओर से जारी रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों ने यह कार्रवाई की।

हालांकि, भारतीय जांच एजेंसियों को अभी तक गिरफ्तारी की आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। एजेंसियां UAE के अधिकारियों से गिरफ्तारी की पुष्टि कराने और रवि उप्पल को भारत लाने के लिए प्रत्यर्पण की कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर रही हैं।

यह गिरफ्तारी महादेव ऐप के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत लाए जाने के तीन दिन बाद हुई है। CBI ने 1 नवंबर को ओमान की अदालत के आदेश के बाद सौरभ चंद्राकर को भारत लाया था। वहीं, ED उसके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले की जांच कर रहा है।

4 करोड़ की रंगदारी मांगी, अनवर ढेबर-कुबेर राठी पर एफआईआर

रायपुर, एजेंसी।

रायपुर में 4 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने अनवर ढेबर, कुबेर राठी समेत 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कारोबारी बलिराम धरमानी (62) ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके मुताबिक, जमीन के पुराने सौदे को लेकर आरोपियों ने बलिराम पर 4 करोड़ रुपए देने का दबाव बनाया। इस दौरान उनके साथ मारपीट की गई और पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी भी दी गई।

मामले में संदीप अग्रवाल, आसिफ मेमन, नागेंद्र कुमार और विवेक जोशी उर्फ मोंटी जोशी के नाम भी शामिल हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एफआईआर के बाद अमित जोगी बोले-मैं भगोड़ा नहीं

गुजरात-पुलिस की सुरक्षा में हूं, मां-पत्नी को अपमानित किया, व्यंग्य को सांप्रदायिक अपराध बनाना लोकतंत्र पर हमला

रायपुर, एजेंसी। पीएम मोदी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के बाद अमित जोगी के खिलाफ एनआईआर दर्ज हुई है। पुलिस ने उनके घर में नोटिस चस्पा किया है। जिसके बाद अमित जोगी ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर खुद को भगोड़ा बताए जाने पर आपत्ति जताई है।

विश्व के प्रथम चिकित्सक आरोग्य प्रदायक भगवान धन्वंतरि जयंती पर सभी को स्वस्थ जीवन की मंगल कामनाएं

नमामि धन्वन्तरिमादिदेवं सुरासुरैर्वन्दित पादपद्मम्।
लोके जरारुग्भयमृत्युनाशं दातारमीशं विविधौषधीनाम्॥

भगवान धनवंतरी जयंती पर

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

दिनांक : 06 नवम्बर 2026, दिन-शुक्रवार
समय : सुबह 9:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक
स्थान : बस स्टैंड पाली, जिला-कोरबा

मुख्य अतिथि
डॉ. पवन सिंह
अध्यक्ष
जिला पंचायत कोरबा
जिला-कोरबा

वेद पुराणों में भगवान धनवंतरी को विश्व का प्रथम वैद्य (चिकित्सक) माना गया है। हिन्दू धर्म में भगवान धन्वंतरि देवताओं के वैद्य माने गए हैं। उनकी पूजा से और पौराणिक मंत्र से मानव देह आरोग्य एवं दीर्घायु बनती है। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धन्वंतरि भगवान विष्णु के अवतार माने गए हैं और समुद्र मंथन से उनकी उत्पत्ति हुई है और हाथ में अमृत कलश लेकर विश्व को आरोग्य प्रदान कर रहे हैं, ऐसी मान्यता है। समुद्र मंथन के दौरान धन्वंतरि का पृथ्वी लोक में अवतरण हुआ था। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा, कार्तिक द्वादशी को कामधेनु गाय, त्रयोदशी को धन्वंतरि, चतुर्दशी को काली माता और अमावस्या को भगवती लक्ष्मी जी का सागर से प्रादुर्भाव हुआ था। इसीलिए दीपावली के दो दिन पूर्व धनतेरस को भगवान धन्वंतरि का जन्म धनतेरस (धन्वंतरि जयंती) के रूप में मनाया जाता है।

धन्वंतरि देव का पौराणिक मंत्र देगा आपको निरोगी काया

ॐ नमो भगवते महासुदर्शनाय वासुदेवाय धन्वंतरायेः
अमृतकलश हस्ताय सर्व भयविनाशाय सर्व रोगनिवारणाय
त्रिलोकपथाय त्रिलोकनाथाय श्री महाविष्णुस्वरूप
श्री धनवंतरी स्वरूप श्री श्री श्री औषधचक्र नारायणाय नमः॥

अर्थात्

परम भगवन को, जिन्हें सुदर्शन वासुदेव धन्वंतरि कहते हैं, जो अमृत कलश लिए हैं, सर्व भयनाशक हैं, सर्व रोग नाश करते हैं, तीनों लोकों के स्वामी हैं और उनका निर्वाह करने वाले हैं, उन विष्णु स्वरूप धन्वंतरि को सादर नमन है।

धन्वंतरि स्त्रोतः

ॐ शंखं चक्रं जलौकां दधदमृतघटं
चारुदोर्भिश्चतुर्भिः।
सूक्ष्मस्वच्छातिहृद्यांशुक
परिविलसन्मौलिमंभोजनेत्रम॥
कालाम्भोदोज्ज्वलांगं
कटितटविलसच्चारूपीतांबराढ्यम।
वन्दे धन्वंतरिं तं
निखिलगदवनप्रौढदावाग्निलीलम॥

ॐ धन्वंतराये नमः॥

पारंपरिक चिकित्सा पद्धति से हर बीमारियों का ईलाज संभव

एक साधारण व्यक्तित्व का असाधारण कृतित्व ने दी पूरे छत्तीसगढ़ में पहचान



रामफल पटेल शांतिकुंज हरिद्वार एवं आयुष से पारंपरिक चिकित्सा पद्धति में प्रशिक्षित होकर विभिन्न बीमारियों का उपचार कर हजारों लोगों को राहत देने के साथ गौशाला का संचालन, पेड़ बचाओ-पौधे लगाओ, जड़ी बुटियों का अनुसंधान, गायत्री यज्ञ के जरिए बच्चों में संस्कार एवं नशा मुक्ति अभियान, स्वच्छता अभियान को सफलतापूर्वक चलाने के बाद अब हर्बल खेती को बढ़ावा देने क्षेत्र के किसानों के बीच जागरूकता अभियान चला रहे हैं। अब तक करीब 750 किसानों को जोड़ चुके हैं। महिला स्व सहायता समूह के माध्यम से भी जैविक उत्पाद करा कर उन्हें स्व रोजगार से जोड़ रहे हैं। क्रेडा के संयुक्त प्रयास से यह अभियान पाली क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। महिला समूह के उत्पाद के लिए बड़ा बाजार भी तैयार हो रहा है। इस तरह के कार्यों ने साधारण व्यक्तित्व को असाधारण बना दिया। उन्हें प्रगतिशील किसान सहित कई पुरस्कार भी प्राप्त हुए। गत 11 अक्टूबर 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के किसान सम्मेलन में आमंत्रित जिले के एक मात्र किसान रामफल पटेल के नवाचार से इस वर्ष 300 से अधिक किसान हर्बल खेती में जुटे हैं।



वैद्यराज रामफल पटेल
शांतिकुंज हरिद्वार एवं आयुष से प्रशिक्षित
पारंपरिक नाड़ी वैद्य

भगवान धन्वंतरि आप सभी को स्वास्थ्य एवं समृद्धि दे इन्हीं शुभकामनाओं के साथ धनवंतरी जयंती की अशेष शुभकामनाएं...



विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर
दिनांक : 06 नवम्बर 2026, दिन-शुक्रवार
समय : सुबह 9:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक
स्थान : बस स्टैंड पाली , जिला-कोरबा

प्रज्ञा संजीवनी
वन औषधालय
नया बस स्टैण्ड पाली, जिला - कोरबा
मो. नं. : 94241-46093, 88151-13134
Email- vaidyarpatel@gmail.com

अंबाला में गृहमंत्री शाह ने 600 करोड़ के म्यूजियम का लोकार्पण किया

रैली में कहा- हरियाणा खेलों मे टॉप, करनाल में कहा- राहुल अराजकता फैला रहे

अंबाला/करनाल, एजेंसी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अंबाला के गांधी मैदान में रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा- 1857 की क्रांति में अंग्रेजों की नींव हिल गई थी। जिस भूमि से इसका बिगुल बजा, उसे मैं हाथ जोड़कर प्रणाम करता हूं। इससे पहले उन्होंने अंबाला में ही 600 करोड़ रुपए की लागत से बने 1857 की क्रांति के शहीद स्मारक का लोकार्पण किया।

रैली में सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा- गृहमंत्री अमित शाह में लौहपुरुष की छवि दिखती है। उन्होंने अंग्रेजो के बनाए आपराधिक कानून हटाएं।

इससे पहले शाह करनाल में भाजपा की पदयात्रा में शमिल हुए। यहां उन्होंने कहा कि देश की जनता ने लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री चुना है। वर्ष 2024 के बाद राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा है।

रैली में पोस्टर लहराया: मोदी जी कहीं नहीं जाएंगे...

शाह ने कहा, राहुल जी, आप संसद चलने नहीं देते। मुद्दों पर चर्चा नहीं करते। संसद में शोर-शराबे को कांग्रेस ने अपना कल्चर बना दिया है। सड़क पर भीड़ इकट्ठा करके अनार्किस्ट (अराजकतावादी) की तरह अराजकता फैलानी है।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी को सड़क पर चर्चा करने का इतना ही शौक है तो कोई बात नहीं। हरियाणा के किसी चौराहे की जगह तय कर लें। हमारी युवा मोर्चा के अध्यक्ष चर्चा करने के लिए वहां पहुंच जाएंगे।

सैनी बोलते कम हैं, काम करने में बहुत तेज

नशा मुक्त हरियाणा के लिए लोगों ने कमर कस ली है। नरेंद्र मोदी ने हरियाणा को प्रायोरिटी दी है, क्योंकि जिस वक्त संगठन सचिव थे तब वो हरियाणा के प्रभारी थे। मैं आज कहने आया हूं- नायब बोलते कम हैं, लेकिन काम करने में बहुत तेज हैं। 2029 में जब वोट लेने आएंगे तब हम सभी घोषणाओं को समाप्त करके आएंगे।

मनोहर-सैनी ने हरियाणा में आमूलचूल परिवर्तन किया

शाह ने आगे कहा कि मनोहरलाल खट्टर और सीएम नायब सैनी ने 12 साल में हरियाणा के लिए आमूलचूल परिवर्तन किया। हर घर में गैस का सिलेंडर पहुंचा। एमएसपी पर 24 फसलें खरीदने वाला देश का पहला राज्य हरियाणा है। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलाने वाला राज्य बना। पहली बार एलिवेटिड रेलवे ट्रैक यहीं बना। पढ़ी-लिखी पंचायत का काम भी सबसे पहले हरियाणा ने किया। मैंने मनोहरलाल को कहा था- लोग नाराज न हो जाएं, लेकिन उन्होंने हिम्मत दिखाई। महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण हरियाणा ने दिया।

सुप्रीम कोर्ट बोला-हिरासत के बाद 24 घंटे में पेशी जरूरी

देरी होने पर व्यक्ति को रिहा करना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को हिरासत के बाद कोर्ट में पेश करने की 24 घंटे की समय सीमा को साफ किया। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की 24 घंटे की समयसीमा उसे हिरासत में लेते ही शुरू हो जाएगी। यह समय औपचारिक गिरफ्तारी दर्ज होने के समय से नहीं गिना जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जांच एजेंसियां किसी व्यक्ति को पहले हिरासत में लेकर बाद में उसकी गिरफ्तारी दर्ज करने का रास्ता नहीं अपना सकतीं।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला गिरफ्तार त्रिपुरा के चार लोगों की याचिका से जुड़ा है। इनका आरोप है कि हिरासत में लेने और गिरफ्तारी दर्ज करने के बीच करीब 21 घंटे का अंतर था। मामले की सुनवाई जस्टिस उज्जवल भुइयां और जस्टिस अतुल एस. चंद्रकुर की बेंच में हुई।

राहुल गांधी बोले-बीजेपी ने गोकुल डेयरी चुनाव में नियम बदले:बहुमत के लिए 4 सरकारी निदेशक जोड़े

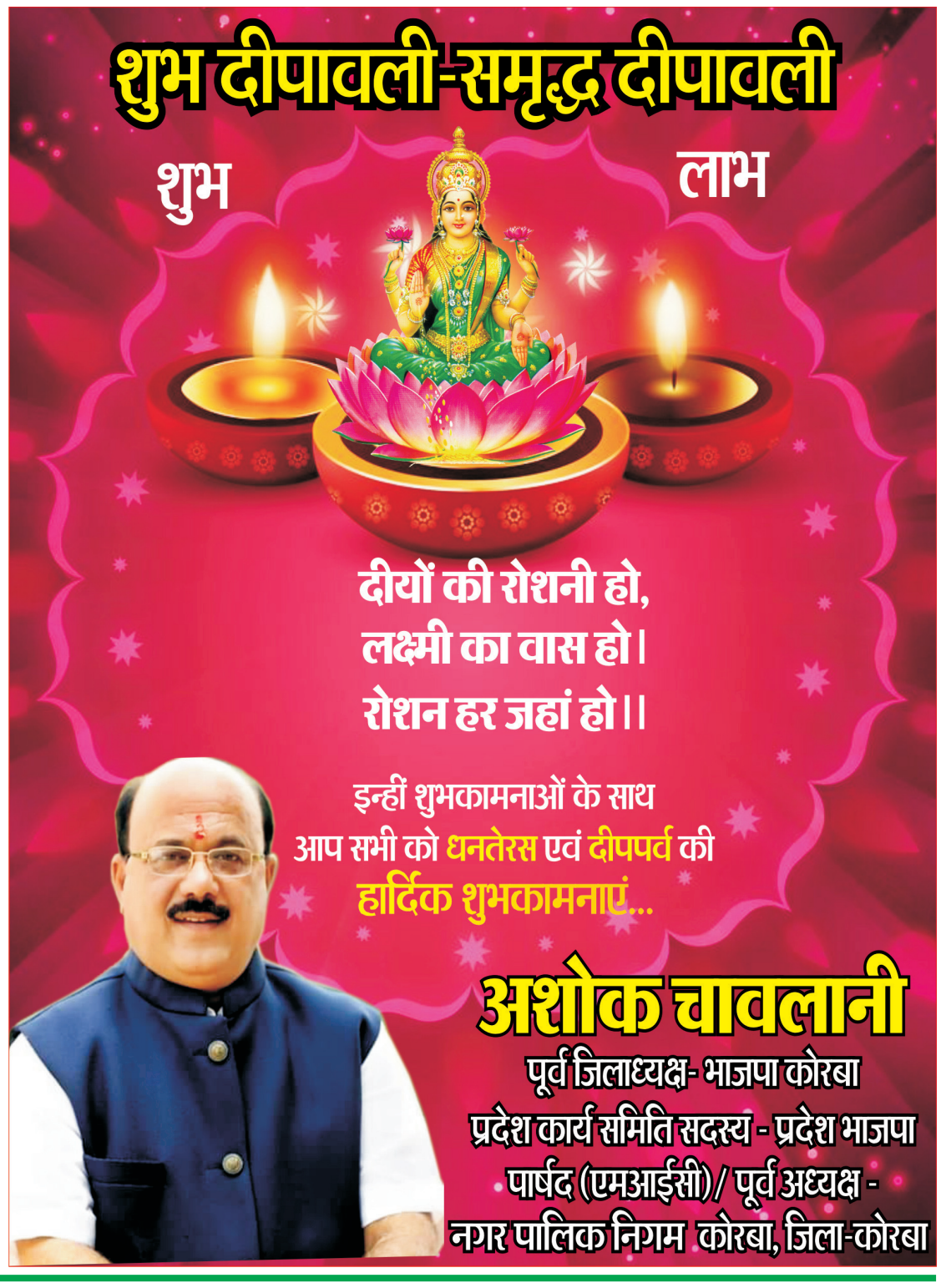
नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र की गोकुल डेयरी के चुनाव को लेकर BJP पर चुनाव के बाद नियम बदलकर बहुमत छीनने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे दूध उत्पादकों के वोटों की चोरी बताया। राहुल गांधी ने गुरुवार को X पर लिखा- गोकुल में दूध डेयरी चलाने वालों ने भाजपा को हरा दिया। तो भाजपा ने चुनाव के बाद नियम बदल दिए। 4 डायरेक्टर ठूंसो, 12 को 16 बनाओ, बहुमत चुराओ।

गोकुल दूध डेयरी में 19 अक्टूबर को 25 निदेशक पदों के लिए चुनाव हुआ था। इसमें कांग्रेस समर्थित पैनल को 13 और भाजपा नीत महायुति गठबंधन को 12 सीटें मिलीं थीं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी महाराष्ट्र सरकार के फैसले की आलोचना की।

बीजेपी बोली- सीजेपी नेताओं को देश-विदेश से फंडिंग मिल रही

बेंगलुरू, एजेंसी।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को कहा कि अधिकारियों के पास कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके और आशुतोष रांका को विदेशी फंडिंग मिलने के सबूत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अभिजीत को अमेरिका के डोनर से, जबकि आशुतोष को पाकिस्तानी नेताओं से पैसे मिल रहे हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सौरव दास और आशुतोष रांका को समन भेजा है।



बालको में सस्टेनेबिलिटी माह का समापन
2,600 से अधिक लोगों ने लिया भाग

पर्यावरण संरक्षण के साथ सतत विकास को बढ़ावा देने कर्मचारियों ने सीखे गुर

विद्यार्थियों को प्रकृति से जुड़ने किया गया प्रेरित

सामूहिक भागीदारी का समझाया गया महत्व





बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने सस्टेनेबिलिटी माह 2026 के समापन कार्यक्रम का आयोजन किया। महीने भर चले अभियान में 2,600 से अधिक कर्मचारियों, बिजनेस पार्टनर्स, उनके परिवारजन, विद्यार्थियों और समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया। विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, सामुदायिक गतिविधियों और रोचक आयोजन के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति जागरूक किया गया। अभियान का उद्देश्य सस्टेनेबिलिटी को केवल एक विषय तक सीमित न रखकर, इसे अपने काम और दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना था।

पूरे माह के दौरान कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें वाड़ी पौधरोपण अभियान, तालाब पुनर्जीवन गतिविधि, सीड बॉल बनाने की पहल और नुक्कड़ नाटक 'मौसम का हिसाब' प्रमुख रहे। इसके साथ ही सुरक्षा से जुड़ी रोचक गतिविधियों और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जिम्मेदार व्यवहार और सामूहिक भागीदारी का महत्व समझाया गया। इन गतिविधियों के बाद सस्टेनेबिलिटी कार्निवल के साथ इस अभियान का समापन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों को सीखने और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने का अवसर मिला।

सस्टेनेबिलिटी का अर्थ है आज ऐसे फैसले लेना, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करे- सीईओ राजेश कुमार सिंह

इस अवसर पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह ने कहा, 'सस्टेनेबिलिटी का अर्थ है आज ऐसे फैसले लेना, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करें। भारत की विकास यात्रा में उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमें ऐसा विकास करना है, जो आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ-साथ समाज के लिए समावेशी और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार भी हो। बालको में हम मानते हैं कि सस्टेनेबिलिटी केवल प्रक्रियाओं और लक्ष्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी सोच और कार्यशैली का हिस्सा है। सस्टेनेबिलिटी माह इसी सोच को आगे बढ़ाने का प्रयास है, जो प्रत्येक व्यक्ति को एक जिम्मेदार और मजबूत भविष्य के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है।

कार्निवल में 800 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। उनके लिए कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में बांटने की गतिविधि, जैव विविधता के प्रति जागरूकता सत्र और सीड बॉल बनाने जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। पर्यावरण, सामाजिक जिम्मेदारी और बेहतर कार्यप्रणाली से जुड़े विषयों पर भी रोचक गतिविधियां हुईं। वन विभाग के सहयोग से आयोजित बागवानी जागरूकता सत्र में स्थानीय, औषधीय और अन्य उपयोगी पौधों के महत्व की जानकारी दी गई। वहीं, मिट्टी के बर्तन बनाने और कोसा बुनाई जैसी गतिविधियों के माध्यम से पारंपरिक कला, स्थानीय संस्कृति और टिकाऊ आजीविका के बीच संबंध को समझाया गया।

कार्निवल में महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उत्पादक समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इससे स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने, महिलाओं की आजीविका को मजबूत बनाने और पारंपरिक कला एवं संस्कृति को संरक्षित करने में सस्टेनेबिलिटी की भूमिका सामने आई। सस्टेनेबिलिटी माह 2026 के माध्यम से बालको ने अपने संचालन और आसपास के समुदायों में सतत विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस पहल ने लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक निर्णय लेने, सामूहिक रूप से जिम्मेदारी निभाने और दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव अपनाने के लिए प्रेरित किया।

लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल एवं नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांगों की प्रेरणा कार्यक्रम का सफल आयोजन



कोरबा (दिव्य आकाश)।

ग्राम मड़वारानी में संचालित सीबीएसई मान्यता प्राप्त विद्यालय एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल में गत 25 अक्टूबर 2026 को स्वर्गीय नितेश कुमार अग्रवाल की छठवीं पुण्यतिथि पर 'दिव्यांगों की प्रेरणा' कार्यक्रम एवं नि:शुल्क रक्त, ब्लड प्रेशर, मधुमेह जॉच एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन पीएमजेएफ लायन रिपुदमन पुसरी (डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, डिस्ट्रिक्ट 3233 सी) के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पीएमजेएफ लायन सुधा मारदा (रीजन ग्रेड मास्टर एवं सचिव, महेश्वरी मंडल, छत्तीसगढ़ प्रदेश, बिलासपुर क्षेत्र) तथा मोहम्मद सादिक शेख (डिस्ट्रिक्ट चीफ कमिश्नर एवं स्टेट को-ऑर्डिनेटर, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, जिला कोरबा) उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लायन दर्शन अग्रवाल (अध्यक्ष- लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल) एवं लायन खूशबू आशीष अग्रवाल (चेयरमेन- एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल) ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों की प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने के साथ समाज में स्वास्थ्य जागरूकता, समानता और मानवीय संवेदनाओं को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम प्रभारी पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि दिव्यांगता किसी व्यक्ति की प्रतिभा, क्षमता और सपनों की सीमा नहीं है। उचित अवसर, प्रोत्साहन और सहयोग मिलने पर दिव्यांगजन भी अपनी प्रतिभा से समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने समाज के प्रत्येक व्यक्ति से दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील, सहयोगात्मक और सम्मानजनक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता और जरूरतमंदों की सेवा ही सच्चे सामाजिक दायित्व का परिचायक है।

विशिष्ट अतिथि मोहम्मद सादिक शेख ने अपने संबोधन में अनुशासन, सेवा, सहयोग और मानवीय मूल्यों की महत्ता बताई। उन्होंने कहा कि भारत स्काउट्स एंड गाइड्स का मूल उद्देश्य भी सेवा, नेतृत्व, अनुशासन और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। उन्होंने युवाओं से जरूरतमंदों की सहायता करने, दिव्यांगजनों का सम्मान करने और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि पीएमजेएफ ला. सुधा मारदा की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लायन दर्शन अग्रवाल ने समाजसेवा, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को जीवन में अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस आयोजन में विद्यालय की चेयरमेन लायन खुशबू आशीष अग्रवाल, कार्यक्रम प्रभारी पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल तथा कार्यक्रम संयोजक श्रीमती कविता सोनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि दिव्यांगजनों को सम्मान, समान अवसर और प्रोत्साहन देना तथा प्रत्येक व्यक्ति तक स्वास्थ्य जागरूकता पहुँचाना एक संवेदनशील और सशक्त समाज की पहचान है। स्वर्गीय नितेश कुमार अग्रवाल की पुण्यतिथि पर आयोजित यह पहल सेवा, समर्पण, समानता और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त करने का सार्थक माध्यम बनी।

कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के विधाओं की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। जिसकी सभी ने प्रशंसा की। कार्यक्रम में छाया डनसेना ग्राम बम्हनीडिह निवासी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम में लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल द्वारा सभी प्रतिभागियों को दीपावली के पूर्व नये कपड़े प्रदान किये गये। उक्त कार्यक्रम में लायंस क्लब बिलासपुर उत्कर्ष से लायन भारती तिवारी, लायन कुसुम सोमानी, लायन मोहन सिंह छाबड़ा, लायन मनोज गुप्ता जोन चेयरमेन, लायन सुरेन्द्र कुमार डनसेना, लायन सुभाष चंद अनंत सहित अन्य लायन सदस्य, छात्रगण, अभिभावकगण एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

दिव्यांग बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतिः छाया प्रथम

कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के विधाओं की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। जिसकी सभी ने प्रशंसा की। कार्यक्रम में छाया डनसेना ग्राम बम्हनीडिह निवासी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।



स्वास्थ्य शिविर में 300 से अधिक लाभान्वित



लायंस पब्लिक स्कूल एवं शिवाय हास्पिटल कोरबा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित नि:शुल्क रक्त, ब्लड प्रेशर, मधुमेह जॉच एवं स्वास्थ्य शिविर ने आयोजन को सेवा और जनकल्याण की दृष्टि से विशेष महत्व प्रदान किया। शिविर का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा नियमित स्वास्थ्य जांच, समय पर चिकित्सकीय परामर्श और बीमारियों से बचाव के प्रति प्रेरित करना था। इस पहल के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को नजरअंदाज न करने और आवश्यकता पड़ने पर समय पर चिकित्सकीय सहायता लेने का संदेश दिया गया। उक्त शिविर में लगभग 300 लोग लाभान्वित हुये।

समाज की वास्तविक प्रगति सभी को समान अवसर देने में है-पुसरी

मुख्य अतिथि पीएमजेएफ लायन रिपुदमन पुसरी ने अपने उद्बोधन में सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, समान अवसर और आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिले। उन्होंने दिव्यांगजनों की प्रतिभा को पहचानने, उनका मनोबल बढ़ाने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने ऐसे आयोजनों को सेवा भावना मजबूत करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

स्व. नितेश कुमार को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि



06 वर्ष पूर्व कोरबा उद्योग जगत का उभरता सितारा नितेश कुमार अग्रवाल 18 अक्टूबर को अनंत यात्रा पर चले गए थे। उपस्थित अतिथियों, विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं ग्रामीणों ने छठवीं पुण्यतिथि पर स्व. नितेश कुमार को विनम्र श्रद्धांजलि दी। पिता राजकुमार अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में नितेश की खुबियों को बताते रो पड़े और गला रूंध गया और आंसू पोछते मंच छोड़ दिया। सभी के आंसू डबडबा रहे थे।



870 ग्राम के जुड़वां शिशुओं ने जीती जिंदगी की जंग एक माह के उपचार के बाद मिली छुट्टी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

31वें सप्ताह में हुआ था जन्म, सांस की परेशानी और गंभीर संक्रमण जैसी जटिलताओं से जूझ रहे थे दोनों बच्चे

समय से पहले जन्म और बेहद कम वजन के कारण गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने वाले जुड़वां बच्चों ने आखिरकार जिंदगी की जंग जीत ली। NKH सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, कोरबा की नवजात गहन चिकित्सा इकाई (NICU) में लगभग एक महीने तक चले उपचार और विशेष देखभाल के बाद 12 अक्टूबर को दोनों बच्चों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

दोनों बच्चों का जन्म गर्भावस्था के 31वें सप्ताह में हुआ था। जन्म के समय एक शिशु का वजन महज 870 ग्राम, जबकि दूसरे का वजन 1 किलो 60 ग्राम था। समयपूर्व जन्म के कारण दोनों को सांस लेने में परेशानी, सेप्सिस (गंभीर संक्रमण) और एनीमिया जैसी जटिलताओं का सामना करना पड़ा। इनमें से एक शिशु में ब्लड शुगर की कमी और समयपूर्व जन्म से जुड़ी आंखों की बीमारी रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी (ROP) की समस्या भी सामने आई।



विशेषज्ञों की निगरानी में हुआ उपचार

बाल एवं नवजात रोग विशेषज्ञ डॉ. अजीत ठोकल के मार्गदर्शन में NICU में दोनों बच्चों की सांस, ऑक्सीजन स्तर, हृदय गति, ब्लड शुगर, शरीर के तापमान और पोषण की लगातार निगरानी की गई। आवश्यकता के अनुसार श्वसन सहायता, दवाइयां और विशेष पोषण उपलब्ध कराया गया। निरंतर उपचार से 870 ग्राम वजन वाले शिशु का वजन बढ़कर 1 किलो 450 ग्राम हो गया। दोनों की स्थिति में सुधार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

समय पर अस्पताल का चयन बेहद जरूरी

यह मामला समयपूर्व जन्म लेने वाले बच्चों के लिए विशेषज्ञ चिकित्सा और सुसज्जित NICU की अहमियत को रेखांकित करता है। चिकित्सकीय विशेषज्ञों के अनुसार, जुड़वां गर्भावस्था या समयपूर्व प्रसव की आशंका होने पर पहले से ऐसी स्वास्थ्य सुविधा की योजना बनानी चाहिए, जहां नवजात विशेषज्ञ, प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ और आवश्यक श्वसन सहायता उपलब्ध हो।

अस्पताल से छुट्टी के बाद भी प्रीमैच्योर बच्चों को नियमित चिकित्सकीय जांच, उचित पोषण और विशेष देखभाल की जरूरत होती है। आंखों की जांच सहित डॉक्टर द्वारा सुझाए गए फॉलो-अप समय पर कराना महत्वपूर्ण है। इन दोनों बच्चों की घर वापसी नवजात चिकित्सा में समय पर उपचार, निरंतर निगरानी और समर्पित देखभाल के महत्व का संदेश देती है।

एन.के.एम. लायंस पब्लिक स्कूल, मड़वारानी में बटालियन-13 कोरबा की शस्त्र प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों में जगाई देशभक्ति की भावना

कोरबा (दिव्य आकाश)। एन.के.एम. लायंस पब्लिक स्कूल, मड़वारानी में बटालियन-13, कोरबा के सौजन्य से शस्त्र प्रदर्शनी एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सुरक्षा बलों की भूमिका, अनुशासन, राष्ट्रसेवा और देशभक्ति के महत्व से परिचित कराना था।

इस अवसर पर राकेश शर्मा (कमांडेंट), ओम चंदेल एवं मयंक तिवारी (उप कमांडेंट), विकास कुजूर एवं राम बहादुर शर्मा (सहायक कमांडेंट), शिव कुमार पांडेय (कंपनी कमांडर), मदन मोहन ओझा (सूबेदार मेजर) तथा आर. एस. पटेल (प्रभारी स्टेनो) प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में शस्त्र प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें अधिकारियों ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के शस्त्रों, उनके उपयोग एवं सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं।



इस अवसर पर कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता तथा कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अधिकारियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।



विद्यालय के अध्यक्ष पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में अनुशासन, साहस, देशभक्ति और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने सुरक्षा बलों के त्याग एवं समर्पण को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य सुभाष चंद्र आनंद ने भी अपने उद्बोधन में सभी अधिकारियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अनुशासन, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रप्रेम को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

अंत में विद्यालय परिवार की ओर से बटालियन-13, कोरबा के सभी सम्माननीय अधिकारियों के प्रति उनके बहुमूल्य समय, मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ।

कौशिल्या देवी साय कोरबा पहुंचीः छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने किया अभिनंदन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

28 अक्टूबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी, आदिवासी कंवर समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाज सेविका श्रीमती कौशिल्या देवी साय कोरबा के अल्प प्रवास पर पहुंची। वे एक शो रूम के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुईं। कोरबा पहुंचने पर छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू के नेतृत्व में श्रीमती कौशिल्या देवी साय का अभिनंदन किया और बुके देकर उनका हृदय से स्वागत किया। इस अवसर पर संघ के जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू सहित जिला सचिव जयकुमार नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, मीडिया प्रभारी रामायण सिंह, अनिल गिरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।



शुभं करोति कल्याणं
आरोग्यं गुणः सम्पदाम
दुष्ट बुद्धि विनाशाय
दीपज्योति नमोस्तुते।

दिव्य आकाश

भगवान धनवंतरी जयंती / धनतेरस एवं दीपावली की शुभकामनाएं...

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

स्वास्थ्य के देवता भगवान धनवंतरी सबको स्वस्थ रखें ...।

कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी, विक्रम संवत् 2083, कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 06 से 12 नवम्बर 2026

दिवाली की आहट शेयर बाजार झूमा

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। दिवाली से पहले ही दलाल स्ट्रीट पर रौनक लौट आई और सेंसेक्स-निफ्टी ने शानदार प्रदर्शन किया। बीएसई सेंसेक्स 2,008.61 अंक यानी 2.60 फीसदी की छलांग लगाकर 79,310.01 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी भी 576 अंक उछल कर 24,536.60 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार की इस तेजी से निवेशकों की संपत्ति करीब 8 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई।

करीब 542 दिनों बाद भारतीय शेयर बाजार में इतनी बड़ी तेजी देखने को मिली है। इससे पहले 12 मई 2025 को सेंसेक्स में 2,975.43 अंक यानी 3.74 फीसदी की ऐतिहासिक बढ़त दर्ज की गई थी। उस समय भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर समझौते और अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में सकारात्मक संकेतों ने बाजार को मजबूती दी थी।

इस बार बाजार में तेजी के पीछे अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के नतीजे, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और विदेशी निवेशकों की बढ़ती खरीदारी को प्रमुख वजह माना जा रहा है।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भारत को राहत

बाजार में तेजी की दूसरी बड़ी वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का सस्ता होना है। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में करीब 9 फीसदी की गिरावट आई और यह 94.12 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से देश के आयात बिल पर दबाव कम हो सकता है। इससे चालू खाता घाटे और महंगाई को नियंत्रित करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

विदेशी निवेशकों की खरीदारी से बैंकिंग शेयरों में तेजी

डॉलर इंडेक्स और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में नरमी के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों (FIIs) ने भारतीय बाजार में अपनी खरीदारी बढ़ाई है। पिछले कारोबारी सत्र में विदेशी निवेशकों ने 7,284 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की थी। इससे बाजार में निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ।

गुरुवार की तेजी में बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों का सबसे बड़ा योगदान रहा। निफ्टी बैंक 1,516 अंक चढ़कर 57,429.65 के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। वहीं बैंकेक्स में 2.85 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

आईटी सेक्टर में भी खरीदारी का माहौल रहा और निफ्टी आईटी 1.80 फीसदी बढ़कर 32,639 के स्तर पर पहुंच गया। मिडकैप इंडेक्स में भी 1.42 फीसदी की बढ़त देखने को मिली।

रिलायंस और बड़े बैंकिंग शेयरों ने संभाला बाजार

बाजार की तेजी को आगे बढ़ाने में रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक जैसे दिग्गज शेयरों की अहम भूमिका रही। इन शेयरों में जोरदार खरीदारी के चलते प्रमुख सूचकांकों को मजबूती मिली।

सेंसेक्स ने लगाई 2,008 अंकों की छलांग, निवेशकों बल्ले-बल्ले



अमेरिकी चुनाव के नतीजों से वैश्विक बाजारों में उत्साह

भारतीय बाजार को मजबूती देने में अंतरराष्ट्रीय संकेतों की अहम भूमिका रही। अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत के बाद वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ा। इसके असर से अमेरिकी शेयर बाजार में भी जोरदार तेजी देखने को मिली।

वॉल स्ट्रीट पर डाउ जोंस 3.03 फीसदी यानी 1,569 अंक उछलकर बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 में 1.58 फीसदी और नैस्डैक में 1.44 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। अमेरिकी बाजारों की मजबूती का सकारात्मक असर भारतीय शेयर बाजार पर भी दिखाई दिया।

ट्रम्प दोनों सदनों में हारे, डेमोक्रेट्स को बहुमत

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- रिजल्ट पर ईरान जंग का असर, लेकिन ऐसे फैसले लेते रहेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी।

ईरान को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले, नॉर्वे को गाली देने वाले और अपने लिए नोबल पीस प्राइज मांगने वाले ट्रम्प अमेरिकी मिडटर्म चुनाव हार गए।

ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बहुमत गंवा दिया। विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स को अमेरिका की जनता खासकर महिलाओं ने भर-भर के वोट दिए।

हार के बाद ट्रम्प ने माना है कि ईरान युद्ध का असर मिडटर्म इलेक्शन पर पड़ा है। उन्होंने कहा कि युद्ध की वजह से पेट्रोल-डीजल के दाम काफी बढ़ गए, जिससे आम जनता में नाराजगी थी।

हालांकि, अपने फैसले का बचाव करते हुए ट्रम्प ने कहा कि ईरान के खिलाफ कदम उठाना देश के लिए बेहद जरूरी था और यह आगे भी जारी रहेगा।

दुनिया भर में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल सैयद की चर्चा

ट्रम्प की हार के साथ मिशिगन से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल सैयद की चर्चा भी दुनिया भर में हो रही है। ट्रम्प ने अब्दुल को खुले मंच से 'जिहादी' कहा था। अब वे अमेरिकी इतिहास में सीनेटर चुने जाने वाले पहले मुस्लिम बन गए हैं।

हाउस में कुल 435 सीटें हैं और सभी सीटों पर चुनाव हुए हैं। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 228 सीटें जबकि ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 139 सीटें जीती हैं।

सीनेट

सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 33 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं।

इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 20 और रिपब्लिकन पार्टी ने 13 सीटें जीती हैं। बाकी 2 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। इन नतीजों को मिलाकर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 54 और रिपब्लिकन पार्टी के पास 44 सीटें हैं।

गवर्नर- कुल 36 सीटों में से 34 राज्यों के नतीजे आ चुके हैं। 22 डेमोक्रेट्स और 12 रिपब्लिकन ने सीटें जीती हैं। 2 राज्यों में वोटों की गिनती जारी है।

6 भारतवंशी जीते

अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में 6 भारतवंशी नेताओं ने हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के चुनाव में जीत हासिल की है। ये सभी डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य हैं।

जीतने वालों में रो खन्ना, अमी बेरा, प्रमिला जयपाल, सुहास सुब्रमण्यम, पिया दांडिया और अमीश शाह शामिल हैं। इससे पहले 2024 के चुनाव में 6 भारतवंशी इस सदन के लिए चुने गए थे।

इस बार सीनेट के लिए किसी भारतीय मूल के उम्मीदवार ने चुनाव नहीं लड़ा था। वहीं, गवर्नर पद के लिए भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ने ओहायो से दावेदारी पेश की थी, लेकिन वे डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन से हार गए।

हार के बाद ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी में बगावत:नेताओं ने रक्षा मंत्री को घेरा, बोले- ईरान जंग में फंसाया, टैरिफ से भी बिगड़ी बात

मिडटर्म चुनाव में हार के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी में अंदरूनी नाराजगी सामने आने लगी है। टेक्सास के रिपब्लिकन नेता चैड विलबैंक्स ने ईरान युद्ध, टैरिफ और रूस के राष्ट्रपति पुतिन का पक्ष लेने वाले ट्रम्प के फैसलों को हार की वजह बताया।

CNN के मुताबिक, ट्रम्प के करीबी नेताओं ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर आरोप लगाया कि उन्होंने राष्ट्रपति को ईरान युद्ध में उलझा दिया, लेकिन इससे निकलने की कोई स्पष्ट योजना नहीं बनाई। वहीं, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी माना कि ईरान युद्ध के कारण ट्रम्प के कई पुराने समर्थकों ने इस बार रिपब्लिकन पार्टी से दूरी बनाई।

होर्मुज से भारतीय जहाजों को गुजरने देगा ईरान:8 महीने से बंद था रास्ता, इसी रूट से 40% कच्चा तेल मंगाता है भारत

तेहरान, एजेंसी।

ईरान ने करीब 8 महीने बाद भारतीय जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की छूट दे दी है। अब भारतीय जहाज इस रास्ते से बिना किसी रोक-टोक के गुजर सकेंगे।

ईरान ने चीन, इराक और कतर के जहाजों को भी यह छूट दी है। 28 फरवरी से इस रास्ते पर जहाजों की आवाजाही पर पाबंदियां लगी हुई थीं। भारत अपने कुल कच्चे तेल आयात का करीब 40% इसी रास्ते से मंगाता है।

ईरान की न्यूज वेबसाइट ईरानवायर और अनादोलू एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के उपाध्यक्ष अहमद हयात-मोगद्दम ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

भारत को दवाओं की सप्लाई के लिए मिली छूट

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने भारत को यह छूट इसलिए दी है, ताकि उसे भारत से दवाएं मिलती रहें। वहीं, चीन को छूट देने के पीछे ईरान की उम्मीद है कि मुश्किल वक्त में बीजिंग उसका राजनीतिक रूप से साथ देगा।

हालांकि, भारतीय और चीनी जहाजों को होर्मुज से गुजरने के लिए पैसे देने होंगे। वहीं, कतर के जहाज बिना कोई शुल्क दिए इस रास्ते से गुजर सकेंगे।

कोयला गैसीकरण से पांच से सात साल में विदेशी मुद्रा में 1.5 लाख करोड़ रुपए की होगी बचत

पणजी, एजेंसी। कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोयला गैसीकरण परियोजनाओं से आयात के विकल्प तैयार होने के बाद अगले पांच से सात वर्षों में भारत को विदेशी मुद्रा में करीब 1.5 लाख करोड़ रुपए की बचत हो सकती है। दत्त ने दक्षिण गोवा में खनन एवं कोयला क्षेत्र में सुधारों पर आयोजित खनन मंत्रियों के चौथे सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए दो योजनाओं के तहत 46,000 करोड़ रुपए की वित्तीय प्रोत्साहन राशि देने की प्रतिबद्धता जताई है। अधिकारी ने कहा कि जिम्मेदार खनन कंपनियों के लिए 'विवेक के साथ खनन' मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कोयला गैसीकरण में कोयले को कृत्रिम गैस (सिनगैस) में बदला जाता है। इससे ऐसे कई उत्पादों का विनिर्माण किया जा सकता है, जिनका भारत फिलहाल बड़ी मात्रा में आयात करता है। दत्त ने कहा, 'यदि कोयला गैसीकरण परियोजनाएं शुरू होती हैं और बड़े पैमाने पर विकसित होती हैं, तो हम अगले पांच से सात वर्षों में आयात के विकल्प तैयार करके विदेशी मुद्रा में संभावित रूप से करीब 1.5 लाख करोड़ रुपए की बचत करने में सफल होंगे।'

अधिकारी ने कोयला उत्पादक राज्यों से इस क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए अनुकूल नीतियां लाने का आग्रह किया और कहा, 'कोयला गैसीकरण औद्योगिक विविधीकरण और क्षेत्रीय विकास का एक माध्यम बनने की क्षमता रखता है।' उन्होंने कहा कि कोयला गैसीकरण के जरिये मेथनॉल, एथनॉल, विस्फोटकों में इस्तेमाल होने वाला अमोनियम नाइट्रेट और प्रत्यक्ष अपचयन लौह (डीआरआई) आधारित इस्पात उत्पादन के लिए जरूरी कच्चे माल का विनिर्माण किया जा सकता है। दत्त ने बताया कि ओडिशा और महाराष्ट्र पहले ही कोयला गैसीकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन नीतियां लागू कर चुके हैं। ओडिशा के अंगुल जिले और महाराष्ट्र के चंद्रपुर क्षेत्र में समूहों के रूप में परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। उन्होंने झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे कोयला समृद्ध राज्यों से भी निवेशकों को प्रोत्साहन देने वाली नीतियां बनाने का आग्रह किया।

ईरान की मस्जिदों में परमाणु बम बनाने की मांग उठी

कट्टरपंथी नेता बोले- इसके बिना सुरक्षित नहीं, अली खामेनेई ने फतवा निकालकर रोक लगाई थी

तेहरान, एजेंसी।

ईरान में परमाणु बम बनाने की मांग हो रही है। देश की मस्जिदों में शुक्रवार की नमाज के दौरान इमाम और कट्टरपंथी नेता खुले तौर पर कह रहे हैं कि अमेरिका और इजराइल से सुरक्षा के लिए परमाणु हथियार बनने चाहिए।

यह मांग ऐसे समय में उठ रही है, जब ईरान के नेता अमेरिका और इजराइल के साथ जारी जंग को खत्म करने की कोशिशें कर रहे हैं।

देश के सुप्रीम लीडर रहे अयातुल्ला अली खामेनेई ने फतवा जारी कर परमाणु बम बनाने और इस्तेमाल करने पर बैन लगाया था। अब इसके खिलाफ आवाज उठने लगी है।

शुक्रवार की नमाज के बाद लग रहे परमाणु बम के लिए नारे

पिछले हफ्ते ईरान के पश्चिमी शहर कुहदाश्त में शुक्रवार की नमाज के दौरान इमाम ने कहा था कि हमें परमाणु हथियारों से लैस होना चाहिए, ताकि हम अपराधी अमेरिका का मजबूती से मुकाबला कर सकें। उनके इस बयान के बाद नमाजियों ने नारा लगाया- परमाणु हथियार बनाकर अपना बचाव करना हमारा हक है।तेहरान में भी शुक्रवार की नमाज के दौरान इमाम अकबरी ने परमाणु नीति बदलने को देश की जरूरत बताया। इस पर भी लोगों ने वही नारा लगाया।

अमेरिका-इजराइल के हमलों के बाद लोगों की सोच बदली है।







सरोकार

अपने भीतर भी एक दीया जलाएं

दीपावली एक पर्व ही नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का एक अवसर भी है। दीपावली आ गई, बाजारों में रौनक है। घरों में साफ-सफाई और सजावट का दौर अंतिम चरण में है, लेकिन इन चकाचौंध के बीच एक सवाल ठहरकर सोचने



का है-क्या दीपावली केवल नए कपड़े, मिठाई, पटाखे और महंगे उपहारों तक ही सिमट कर रह गई है? यदि हाँ! तो हमने इस महापर्व की आत्मा को कहीं खो दिया है।

दीपावली याने दीपों की पंक्ति। यह पर्व अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतिक है। रामायण काल से अब तक इसका संदेश एक ही रहा है- असत्य पर सत्य की, अधर्म पर धर्म की और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का। यह विचारणीय बिंदु है कि हम प्रकाश को खूब फैला रहे हैं, पर मन के भीतर का अंधेरा बढ़ता ही जा रहा है। आज हमारे समाज में एक विचित्र विरोधाभाष है। एक ओर हम लक्ष्मी जी की पूजा करते हैं, तो दूसरी ओर इसी लक्ष्मी के लिए भ्रष्टाचार, बेईमानी और शोषण का सहारा लेते हैं। एक ओर हम श्रीगणेश को विघ्नहर्ता मानते हैं, दूसरी ओर हम स्वयं ही अपने स्वार्थ से दूसरे के जीवन में विघ्न डालते हैं। क्या यही दीपावली का यथार्थ है? जरा सोचिए और दीपावली के यथार्थ को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें। आज सबसे बड़ी चिंता पर्यावरण को बचाने की है। हम दीपावली के नाम पर ध्वनि और वायु प्रदूषण इतना फैलाते हैं कि पर्यावरण में सांस लेना मुश्किल हो जाता है और दीपावली की पवित्रता कहीं खो जाती है। मिट्टी के दीये का स्थान आज तेज आवाज वाले पटाखे, चाईना लाईट ने ले लिया है। दीपावली दूसरों को सुख देने का नाम है, लेकिन हम तेज आवाज पटाखे से दूसरों को दुख ही पहुंचाते हैं। इस प्रदूषण से मात्र मानव जाति ही प्रभावित नहीं होता, बल्कि मूक पशु, पक्षी भी प्रभावित होते हैं। दीया जलाएं, घर को, आंगन को रोशन करें, लेकिन अपने मन के भीतर भी पवित्रता के लिए भी एक दीया अवश्य जलाएं। **-संपादक**

सच्ची शिक्षा

सच्ची शिक्षा वही है, जो ज्ञान के साथ-साथ सदाचार भी सिखाए और विद्यार्थी युवा बनकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए



एआई जनरेटेड

आज एआई का जमाना है। लोग चांद पर पहुंच गए, शिक्षा का स्तर बढ़ती दुनिया के हिसाब से बढ़ता चला गया। आज के बच्चे काफी प्रतिभावान हो गए हैं, इसमें कोई दो मत नहीं, लेकिन दुर्भाग्य ही कहा जा सकता है कि आज की शिक्षा पश्चिमी सभ्यता से ओत-प्रोत हो गई है और आज की शिक्षा में भारतीय संस्कृति और परंपरा का हनन होते चला गया। शिक्षा पूर्ण तब होती है, जब बच्चे को ज्ञान के साथ-साथ सदाचार का भी पाठ पढ़ाया जाए, जिसमें बड़ों के लिए सम्मान हो, मातृभूमि के प्रति प्रेम हो, कितनों भी ऊंचाई पर पहुंच जाए, सबके लिए सदाचार और सद्भाव हो। ऊंचा ओहदा हो, फिर भी जमीन से जुड़ाव हो। शिक्षा में संस्कार जरूरी है, तभी शिक्षा पूरी होगी। आज शिक्षा में कापी-पुस्तक की जगह स्क्रीन ने ले ली है, जिसके कारण विद्यार्थी कुंठा से ग्रसित हो जाता है, जो भविष्य के लिए घातक है। आज की शिक्षा में जागरूकता फैलाना जरूरी है और बच्चों को स्क्रीन से दूर रखने की सीख भी देनी होगी। पुस्तक हमें ज्ञान देती है, महापुरूषों का अनुभव बांटती है और संस्कार की सीख भी देती है। हम यूं कहें- बिना सदाचार की शिक्षा ऐसी है, जैसे बिना पतवार की नाव। वह तेज तो चल सकती है, पर किनारे तक नहीं पहुंच सकती। इसलिए हमें बच्चों को ऐसी शिक्षा दें, जिसमें अंकों के साथ-साथ आचरण भी हो। किताब के साथ-साथ अच्छा किरदार भी हो।



यदि शिक्षा विद्यार्थी को अच्छा मनुष्य नहीं बना सकती, तो ऐसी शिक्षा सभ्य समाज को मंजूर कैसे हो सकता है। शिक्षा बच्चों को मनुष्य बनाने के लिए ही दी जाती है, ताकि बच्चा आगे चलकर स्वयं आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ माँ भारती की सेवा भी करे और परिवार में रिश्तों को जिए भी। शिक्षा तभी सच्ची शिक्षा कहलाएगी, जब वह शिक्षा ज्ञान के साथ सदाचार भी सिखाए और सभी का सम्मान करे।

आज प्राय: देखने में आता है कि जब विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर ऊंचे ओहदे पर पहुंच जाता है, तब वह अपने आपको भगवान समझने लगता है और आसमान में तैरने लगता है तथा जमीन उसे ओछी लगने लगती है। ऊंची कुर्सी पर बैठकर उसे एहसास होने लगता है कि मैं ही सबकुछ हूं, बाकी सब बेकार हैं। ऊंचे ओहदे पर पहुंचकर जब रिश्ता नहीं निभा सकता, तब वह मनुष्य महान नहीं बल्कि एक अहंकारी और बर्बर का दर्जा हासिल करता है और ऐसे मनुष्य को समाज कभी स्वीकार नहीं करता। ऊंचे ओहदे पर पहुंचने के बाद भी जब मनुष्य सबको समान दृष्टि से देखता है, ऐसा मनुष्य ही समाज में अलग पहचान बनाता है, इतिहास के नए पन्ने लिखता है और सामाजिक दायित्व को निर्वहन करने वाला महान व्यक्ति की श्रेणी में पूजे जाते हैं। हमें शिक्षा के साथ सदाचार का पाठ पढ़ाने वाला शिक्षक चाहिए, न कि सिर्फ ज्ञान बांटने वाला। शिक्षा ऊंचे ओहदे तक तो पहुंचा सकती है, लेकिन शिक्षा में सदाचार हो, तो उस व्यक्ति को महान भी बना देती है।

आज हमारा विद्यार्थी बहुत बुद्धिमान है। उसके पास ज्ञान और आधुनिक युग की जानकारी का भंडार है, स्किल्ड है, तकनीकी ज्ञान है, पर कई बार संस्कारों की कमी दिखती है। ज्ञानवान, बुद्धिमान जब बड़ों का अनादर करता है, समाज के अनुशासन को तोड़ता है, झूठ और स्वार्थ की ओर आगे बढ़ता है, तो ऐसे व्यक्ति से समाज को कोई फायदा नहीं होता और न ही राष्ट्र को। इसका प्रमुख कारण है- हमने शिक्षा को केवल नम्बरों की दौड़ बना दिया है और सदाचार को भुला दिया है।

सदाचार के बिना शिक्षा पंगु

शिक्षा ज्ञान देती है, सदाचार उस ज्ञान को दिशा देता है। एक आईएएस, आईपीएस, इंजीनियर, वकील, वैज्ञानिक बहुत पढ़ा-लिखा होता है, पर अगर उसमें सदाचार नहीं, तो वह अपने ज्ञान का उपयोग निर्माण के लिए कभी नहीं कर सकता। सदाचार ही बताता है कि ज्ञान का उपयोग लोक कल्याण में कैसे हो।

सदाचार ही चरित्र बनाता है

नौकरी पाने के लिए डिग्री जरूरी है, पर समाज में सम्मान पाने के लिए उच्च शिक्षा के साथ चरित्र भी जरूरी है। चरित्र बनता है-लोगों का सम्मान करने से, समाज में सद्भाव फैलाने से, सच बोलने से, समय आने पर दूसरों की मदद करने से, परिवार में रिश्ता निभाने से और समाज को अपने ज्ञान का योगदान देने से।

शिक्षा-सदाचार के संगम से सफल होता है जीवन

माँ सरस्वती ज्ञान की देवी हैं और उनका वाहन हंस है, जो नीर-क्षीर विवेक का प्रतीक है। यानी सच्चा शिक्षित व्यक्ति वही है, जो दूध को दूध और पानी को पानी कहे तथा अच्छे-बुरे में फर्क कर सके।

अभिभावकों-अध्यापकों के लिए संदेश

बच्चों को सुबह-शाम प्रार्थना कराएं, बड़ों को प्रणाम कराना सिखाएं।

स्कूलों में नैतिक शिक्षा को केवल एक पीरियड नहीं, बल्कि आचरण के रूप में लागू करें।

शिक्षक और अभिभावक खुद आदर्श बनें, क्योंकि बड़ों को देखकर बच्चे सिखते हैं और अपने जीवन में उतारते भी हैं।

बच्चों को स्क्रीन से नहीं, बल्कि कापी-पुस्तक से ज्ञान लेने की आदत डालें, किताब सबसे अच्छी मित्र होती है, इसका ज्ञान बच्चों को दें।

गुरूकुल परंपरा का हो पुनर्उद्धार

भारतीय परंपरा में गुरूकुल का बहुत बड़ा स्थान है। प्राचीनकाल में जब बच्चा होश संभालने लायक हो जाता था, तो माता-पिता शिक्षा के लिए गुरूकुल भेज देते थे, जहां पर आचार्य या शिक्षक या गुरू उसे शास्त्रार्थ सिखाने के साथ-साथ जीवन जीने की कला भी सिखाते थे। प्राचीन भारत में गुरूकुल शिक्षा का केन्द्र हुआ करते थे, जहां वेदों के साथ-साथ विनम्रता, सत्य, संयम, सेवा और अनुशासन का पाठ पढ़ाया जाता था। तभी तो कहा गया है-

सा विद्या या विमुक्तये।।

अर्थात विद्या वही है, जो मुक्त करे- अहंकार से, अज्ञान से और बुराईयों से।

इति...।

उजास

दीपावली पर्व अंधेरे पर प्रकाश की विजय

दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, यह एक भावना है। यह उजास है, प्रकाश है, उल्लास है। कार्तिक मास की अमावस्या की काली रात जब पूरा आसमान अंधेरे में डूबा होता है, तब धरती पर करोड़ों दीपों की रोशनी उस अंधेरे को चुनौती देती है। यही तो दीपावली है - तमसो मा ज्योतिर्गमय, अंधेरे से प्रकाश की ओर चलो।

उजास का पौराणिक अर्थ

कहा जाता है कि इस दिन 14 वर्ष के वनवास के बाद भगवान श्रीराम माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे। अयोध्यावासियों ने उनके स्वागत में घी के दीप जलाकर पूरे नगर को रोशन कर दिया था। तब से लेकर आज तक हर दीपावली पर हम अपने घरों में दीप जलाकर उसी खुशी को दोहराते हैं। इसी दिन माँ लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा होती है। लक्ष्मी यानी धन, वैभव और समृद्धि, और गणेश यानी शुभता और बुद्धि। हम यही कामना करते हैं कि हमारे घर में धन के साथ-साथ विवेक भी आए। उजास से चारों तरफ सत्व की रोशनी फैले और अंधेरे को चीर कर दीयों की रोशनी हर घर में उजास फैलाए।

दीपावली सिर्फ घर की नहीं, मन की सफाई है

दीपावली से पहले हम घर की सफाई करते हैं, टूटा सामान हटाते हैं, नया रंग-रोगन कराते हैं। क्या कभी सोचा है, मन की सफाई कब करेंगे? दीपावली का असली उजास तब है जब हम अपने मन के अंदर के अंधेरे - ईर्ष्या, क्रोध, लालच, द्वेष को दूर करें और प्रेम, क्षमा और भाईचारे का दीप जलाएं।

आज की दीपावली

आज दीपावली का स्वरूप बदल गया है। मिट्टी के दीयों की जगह बिजली की लड़ियाँ आ गई हैं, पर मिट्टी के दीये की खुशबू और उसकी लौ में जो अपनापन है, वह कहीं और नहीं।

इस दीपावली पर संकल्प लें -

1. मिट्टी के दीये जलाएं, कुम्हार के घर में भी उजास लाएं।
2. पटाखों से थोड़ी दूरी बनाएं, प्रदूषण कम करें।
3. किसी गरीब के घर में एक दीया, एक मिठाई और एक मुस्कान जरूर पहुँचाएं।

संदेश-

एक दीया अकेला अंधेरा नहीं मिटा सकता, पर लाखों-करोड़ों दीये मिलकर अमावस्या की रात को भी पूर्णिमा बना देते हैं। यही दीपावली का संदेश है। आइए, इस दीपावली पर हम सिर्फ अपने घर को ही नहीं, अपने गाँव, अपने समाज और अपने मन को भी उजास से भर दें।

शुभ दीपावली!

आपके जीवन में सदा उजास बना रहे।



धनतेरस से भाई दूज तक, 6 से 11 नवंबर तक रहेगी दीपावली की धूम

साल 2026 में पांच दिवसीय दीपोत्सव की शुरुआत 6 नवंबर को धनतेरस के साथ होगी। इस वर्ष नरक चतुर्दशी और मुख्य दिवाली का त्योहार 8 नवंबर को मनाया जाएगा। इसके बाद 10 नवंबर को गोवर्धन पूजा होगी और 11 नवंबर को भाई दूज के साथ इस महापर्व का समापन होगा।

दिवाली हिंदू धर्म के सबसे बड़े और प्रमुख त्योहारों में से एक है। यह पर्व हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनाया जाता है। इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीराम 14 वर्षों का वनवास पूरा करके अयोध्या लौटे थे। उनके स्वागत में अयोध्यावासियों ने दीप जलाए थे। तभी से दिवाली मनाने की परंपरा चली आ रही है।

दिवाली के त्योहारों की शुरुआत धनतेरस से होती है और भाई दूज के साथ इनका समापन होता है। इस दौरान धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज जैसे प्रमुख त्योहार मनाए जाते हैं।

आइए जानते हैं कि साल 2026 में ये सभी त्योहार किस तारीख को पड़ रहे हैं और पूजा के शुभ मुहूर्त क्या हैं।

धनतेरस 2026 कब है? जानें पूजा का शुभ मुहूर्त

इस साल धनतेरस का त्योहार 6 नवंबर, शुक्रवार को मनाया जाएगा। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर धनतेरस मनाने की परंपरा है। इस दिन भगवान धन्वंतरि, मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा की जाती है।



त्रयोदशी तिथि शुरू: 6 नवंबर 2026, सुबह 10:30 बजे

त्रयोदशी तिथि समाप्त: 7 नवंबर 2026, सुबह 10:47 बजे

पूजा का शुभ मुहूर्त: शाम 6:02 बजे से रात 7:57 बजे तक

प्रदोष काल: शाम 5:33 बजे से रात 8:09 बजे तक

वृषभ काल: शाम 6:02 बजे से रात 7:57 बजे तक

अभिजीत मुहूर्त: सुबह 11:36 बजे से दोपहर 12:24 बजे तक

नरक चतुर्दशी या छोटी दिवाली 2026 कब है?

नरक चतुर्दशी को छोटी दिवाली और रूप चौदस के नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। साल 2026 में छोटी दिवाली 8 नवंबर, रविवार को मनाई जाएगी। इस दिन सुबह स्नान करने और दीप जलाने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध किया था।

दिवाली 2026 कब मनाई जाएगी?

हिंदू पंचांग के अनुसार, साल 2026 में कार्तिक मास की अमावस्या तिथि 8 नवंबर को सुबह 11:27 बजे शुरू होगी और 9 नवंबर को दोपहर 12:31 बजे समाप्त होगी। प्रदोष काल में अमावस्या तिथि होने के कारण दिवाली का त्योहार 8 नवंबर, रविवार को मनाया जाएगा। इस दिन घरों में दीप जलाए जाते हैं और शाम को मां लक्ष्मी तथा भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है।

गोवर्धन पूजा 2026 कब है?

दिवाली के अगले दिन गोवर्धन पूजा मनाई जाती है। हालांकि, साल 2026 में गोवर्धन पूजा 10 नवंबर, मंगलवार को होगी। यह त्योहार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र देव के प्रकोप से ब्रजवासियों की रक्षा करने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठा लिया था। इसी घटना की याद में गोवर्धन पूजा की जाती है।

प्रात: काल पूजा मुहूर्त: सुबह 6:40 बजे से 8:50 बजे तक

प्रतिपदा तिथि शुरू: 9 नवंबर 2026, दोपहर 12:31 बजे

प्रतिपदा तिथि समाप्त: 10 नवंबर 2026, दोपहर 2 बजे।

भाई दूज 2026 कब है?

दिवाली के पांच दिवसीय त्योहार का समापन भाई दूज के साथ होता है। साल 2026 में भाई दूज 11 नवंबर, बुधवार को मनाई जाएगी। पंचांग के अनुसार, द्वितीया तिथि 10 नवंबर को दोपहर 2 बजे शुरू होगी और 11 नवंबर को दोपहर 3:53 बजे समाप्त होगी। इस दिन बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। भाई भी अपनी बहनों को उपहार देते हैं और उनकी रक्षा का वचन देते हैं।

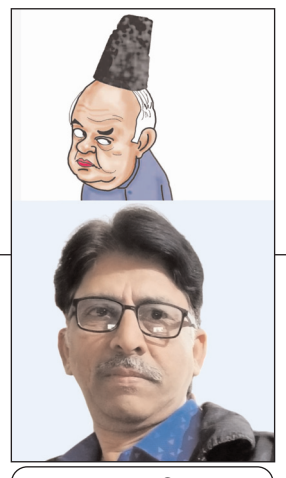
एजेंसी।



अदिति राव हैदरी संग पंकज त्रिपाठी की नई फिल्म Parivarik ManuRanjan का ट्रेलर देख छूटेगी हंसी

13 नवम्बर को ओटीटी पर आएगी फिल्म

पंकज त्रिपाठी और अदिति राव हैदरी की आगामी कॉमेडी ड्रामा फिल्म पारिवारिक मनोरंजन का मजेदार ट्रेलर रिलीज हो गया है। कहानी में एक बैचलर के घर हाउस हेल्प के आने के बाद हास्य, रहस्य और उलझनों का दौर शुरू होता है। वरुण वी शर्मा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 13 नवंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी। दोनों सितारों की अनोखी केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। फिल्म में अदिति एक ऐसी हाउस हेल्प के रोल में नजर आ रही हैं, जिसके पंकज त्रिपाठी के घर कदम रखते ही हंसी, उलझन और अचानक चौंकाने वाली घटनाओं का सिलसिला शुरू हो जाता है।



एक कविता

फिर जाग उठा पाक प्रेम!

कश्मीर की वादियों में फिर, सियासती शोर उठा,
फ़ारूक़ बाबा के बयानों से, सवालिया दौर उठा।
धारा तीन सौ सत्तर गई, पे बहस अभी-भी जारी,
किसकी कैसी नीति रही, जनता की यही तैयारी।

'आतंकवाद की आग' में, कितने घर 'उजड़' गए,
मासूमों के सपने कितने, आँसू बनके बिखर गए।
शांति का पैगाम जरूरी, आतंक का अंत भी हो,
सीमा पार से आ रहीं, हिंसा का अवसान भी हो।

पाक से प्रेम की बातें, करना इतना आसान नहीं,
जब तक आतंक न मिटता, विश्वास निर्माण नहीं।
नेताओं की बयानबाजी, हल कोई निकलता नहीं,
जनता के दुखदर्द का मरहम, नारों से मिला नहीं।

कश्मीर की युवा पीढ़ी को, शिक्षा-रोजगार चाहिए,
अमन, सुरक्षा और विकास, सुंदर 'संसार' चाहिए।
सत्ता हो या विपक्ष यहाँ, कर्तव्य सभी को निभाना,
कश्मीर की खुशहाली खातिर, 'नया सवेरा' लाना।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

व्यंग्य

अध्यक्षजी ने खोया आपा, हमें याद आए पापा!



राजनीति भी बड़ी कमाल की चीज है। नेताओं के मुँह से कोई शब्द निकल जाए, तो राष्ट्रीय बहस छिड़ जाती है। अध्यक्षजी के बयान में 'बाप' शब्द क्या आया, हमें अपने पापा याद आ गए।

हमारे पापा जब अम्मा से झगड़ते, तो अक्सर कहते, 'तू क्या, तेरा बाप भी आएगा!' अम्मा तुरंत पलटवार करतीं, 'हम तो तुम्हारी इज्जत करते हैं, तुमने हमारे बाबूजी का नाम कैसे लिया?' वहीं पापा का जवाब होता, 'कान खोलकर सुन ले, एक नहीं, दस बार लूँगा!'

हम संदूक के पीछे दुबककर सोचते कि पापा ने नानाजी का नाम तो लिया ही नहीं, फिर अम्मा नाराज क्यों हैं? और कान खोलकर सुनने का मतलब क्या है? क्या कानों में भी दरवाजों की तरह कब्जे लगे होते हैं?

बड़े होकर समझ आया कि घर हो या राजनीति, जब तर्क कमजोर पड़ने लगते हैं, तो रिश्तेदारों को मैदान में उतार दिया जाता है। अध्यक्षजी के बयान में कोई 'जाएगा' तो हमारे पापा के संवाद में कोई 'आएगा'। फर्क बस इतना है कि एक राष्ट्रीय स्तर पर बोलता है, दूसरा पारिवारिक स्तर पर। वहाँ प्रेस कॉन्फ्रेंस होती है, यहाँ रसोई के पास। वहाँ राजनीतिक गलियारों में हलचल मचती है, यहाँ घर के गलियारों में सन्नाटा छा जाता है।

वैसे हमारे पापा की राजनीति भी कम दिलचस्प नहीं थी। अम्मा विपक्ष की नेता थीं और हम निर्दलीय सदस्य। मतदान करने की हमारी हैसियत नहीं थी, क्योंकि मतदान से पहले ही हमें संदूक के पीछे शरण लेनी पड़ती थी! घर में झगड़ा खत्म होने पर अम्मा-पापा एक ही थाली में खाना खा लेते थे, लेकिन राजनीति में बयानबाजी खत्म होने के बाद भी आरोप-प्रत्यारोप की थाली सजती रहती है।

सच तो यह है कि जब बहस में रिश्तेदारों को घसीटना पड़े, तो समझिए मुद्दे कमजोर और अहंकार मजबूत हो गया है। अध्यक्षजी का बयान सुनकर पापा की याद आई। फर्क इतना है कि तब हम संदूक के पीछे छिपते थे, आज लोग टीवी का चैनल बदल लेते हैं। जमाना बदल गया, मगर बहस में 'बाप' को घसीटने की परंपरा आज भी कायम है!

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

लघु कथा

पाठशाला

पाठशाला का वार्षिकोत्सव था। मैं भी वहाँ बुलाया गया था। वहाँ के प्रधान अध्यापक का एकमात्र पुत्र, जिसकी अवस्था आठ वर्ष की थी, बड़े लाड़ से नुमाइश में मिस्टर हादी के कोल्हू की तरह दिखाया जा रहा था। उसका मुँह पीला था, आँखें सफ़ेद थीं, दृष्टि भूमि से उठती नहीं थी। प्रश्न पूछे जा रहे थे। उनका वह उत्तर दे रहा था। धर्म के दस लक्षण सुना गया, नौ रसों के उदाहरण दे गया। पानी के चार डिग्री के नीचे शीतलता में फैल जाने के कारण और उससे मछलियों की प्राण-रक्षा को समझा गया, चंद्रग्रहण का वैज्ञानिक समाधान दे गया, अभाव को पदार्थ मानने, न मानने का शास्त्रार्थ कर गया और इंग्लैंड के राजा आठवें हेनरी की स्त्रियों के नाम और पेशवाओं का कुर्सीनामा सुना गया।

यह पूछा गया कि तू क्या करेगा? बालक ने सिखा-सिखाया उत्तर दिया कि मैं यावज्जन्म लोकसेवा करूँगा। सभा 'वाह वाह' करती सुन रही थी, पिता का हृदय उल्लास से भर रहा था।

एक वृद्ध महाशय ने उसके सिर पर हाथ फेरकर आशीर्वाद दिया और कहा कि जो तू ईनाम मांगे, वही दें। बालक कुछ सोचने लगा। पिता और अध्यापक इस चिंता में लगे कि देखें, यह पढ़ाई का पुतला कौन-सी पुस्तक मांगता है।

बालक के मुख पर विलक्षण रंगों का परिवर्तन हो रहा था, हृदय में कृत्रिम और स्वाभाविक भावों की लड़ाई की झलक आँखों में दीख रही थी। कुछ खाँसकर, गला साफ कर नकली परदे के हट जाने से स्वयं विस्मित होकर बालक ने धीरे से कहा, ''लड्डू।''

पिता और अध्यापक निराश हो गए। इतने समय तक मेरा वास घुट रहा था। अब मैंने सुख की सांस भरी। उन सबने बालक की प्रवृत्तियों का गला घोंटने में कुछ उठा नहीं रखा था, पर बालक बच गया। उसके बचने की आशा है, क्योंकि वह 'लड्डू' की पुकार जीवित वृक्ष के हरे पत्तों का मधुर मर्मर था, मरे काठ की आलमारी की सिर दुखाने वाली खड़खड़ाहट नहीं।

भूगोल

एक शिक्षक को अपने इंस्पेक्टर के दौरे का भय हुआ और वह क्लास को भूगोल रटाने लगा। कहने लगा कि पृथ्वी गोल है । यदि इंस्पेक्टर पूछे कि पृथ्वी का आकार कैसा है और तुम्हें याद न हो तो मैं सुंघनी की डिबिया दिखाऊंगा, उसे देखकर उत्तर देना। गुरु जी की डिबिया गोल थी।

इंस्पेक्टर ने आकर वही प्रश्न एक विद्यार्थी से किया और उसने बड़ी उत्कंठा से की ओर देखा । गुरु ने जेब में से चौकोर डिबिया निकाली । भूल से दूसरी डिबिया आई थी । लड़का बोला, बुधवार को पृथ्वी चौकौर होती है और बाकी सब दिन गोल ।

विद्या से दुख

एक बहू पशु-पक्षियों की भाषा जानती थी। आधी रात को श्रृगाल को यह कहता सुनकर कि नदी का मुर्दा मुझे दे दे और उसके गहने ले ले, नदी पर वैसा करने गई। लौटती बार श्वसुर ने देख लिया। जाना कि यह अ-सती है। वह उसे पीहर पहुंचाने ले चला। मार्ग में करीर के पेड़ के पास से कौआ कहने लगा कि इस पेड़ के नीचे दस लाख की निधि है, निकाल ले और मुझे दही-सत्तू खिला। अपनी विद्या से दुख पाई वह कहती है-- मैंने जो एक दुर्नय (अविनय, कुनीति) किया, उससे घर से निकाली जा रही हूँ। अब यदि दूसरा करूंगी तो कभी भी अपने प्रिय से नहीं मिल सकूंगी अर्थात मार दी जाऊंगी।



अंधी लड़की एक बदलाव

एक अंधी लड़की थी, जो खुद से बहुत नफरत करती थी, क्यूंकि वो अंधी थी। वो सिर्फ अपने प्रेमी से बहुत प्रेम करती थी, क्यूंकि वो हमेशा उसके लिए हाजिर था। उसका ध्यान रखता था। लड़की कहती थी अगर वह देख सके, तो उस लड़के से शादी करेगी।

एक बार किसी ने उसको नेत्र दान कर दिए व् वह सारी दुनिया को यहाँ तक कि अपने प्रेमी को भी देखने लायक हो गयी। तभी उसके प्रेमी ने उससे शादी करने की बात की, तब लड़की ने जाना की लड़का तो अँधा है, उसने उसके प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

वो लड़का निराशा से ग्रस्त रोता हुआ वहां से चला गया, बाद में उसने उस लड़की को एक ख़त लिखा व् कहा :

मेरी आँखों का ख्याल रखना

शिक्षा: जब हमारी परिस्तिथियाँ बदलती हैं, तो हमारे दिमाग भी बदल जाते हैं। कुछ लोग वैसे नहीं देख पाते, जैसा वह पहले थे, न ही वह तारीफ करने लायक रहते हैं।

रास्ते की रुकावट

एक बार की बात है। एक बहुत ही अमीर व् जिज्ञासु राजा था। एक बार उसने रास्ते में एक बहुत ही विशाल पत्थर रख दिया व् उसके पास ही छुप कर बैठ गया यह देखने के लिए कि कोई व्यक्ति इसको हटाएगा या नहीं।

उस रास्ते पर से पहले गुजरने वाले लोग राजा के बहुत ही धनी व्यापारी व् दरबारी थे। पत्थर को हटाने की बजाय वह सब उसके पास से निकल गए, बल्कि कईयों ने तो राजा को ही दोष दे दिया कि वह रास्ते की सही ढंग से मुरम्मत ही नहीं करवाते हैं। किसी ने भी उस पत्थर को वहाँ से निकालने की कोशिश भी नहीं की।



आख़िरकार एक किसान वहाँ से गुजरा, उसके हाथ सब्जियों से लदे हुए थे। जब उसने उस पत्थर को देखा तो बजाय औरों की तरह वह कन्नी नहीं काटी, बल्कि अपने सारे सामान को एक तरफ रखा व् पत्थर को रास्ते से हटाने की कोशिश करने लगा। उसने बहुत परिश्रम किया व् उस पत्थर को हटाने में सफल हो गया।

तब उसने अपना बोझा उठाया व् जाने को हुआ, तभी उसकी नज़र वहाँ पड़ी, जहां पर वो पत्थर रखा हुआ था। उस जगह पर एक पर्स रखा था, उसने वो पर्स उठाया व् खोला, उसमें बहुत सरे सोने के सिक्के थे। साथ ही एक पर्ची भी थी, जिस पर लिखा था- जो कोई भी इस पत्थर को रास्ते से हटाएगा, यह मोहरे राजा की तरफ से उसके लिए इनाम स्वरुप है। राजा ने किसान को वह समझाया जो हम सभी कई बार नहीं समझ पाते हैं। हर रूकावट हमें एक अवसर देती है, अपने हालातो को अच्छा बनाने का।

पूजा में रॉयल लुक पाएं

पूजा पर सिंपल साड़ी के साथ नए और स्टाइलिश बैक नेक ब्लाउज कैरी कर महिलाएं अपने लुक को खास बना सकती हैं। इस मौके पर ओवल कट, बो टाई, स्क्वायर बैक, बटरफ्लाई कट, डीप वी कट और डीप यू कट ब्लाउज बेहतरीन विकल्प हैं। बनारसी और सिल्क साड़ियों के साथ ये डिजाइन आपको परफेक्ट ट्रेडिशनल और रॉयल लुक देंगे।

पूजा के मौके महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं। जिसके लिए महिलाएं काफी दिनों पहले से तैयारियां शुरूकर देती हैं। महिलाएं पर्व के कई दिन पहले से अपने गहनों, कपड़ों और मेकअप की तैयारियां करने लगती हैं।

अगर आप सिंपल साड़ी पहन रही हैं, तो उसके साथ ब्लाउज के कुछ नए और स्टाइलिश बैक नेक डिजाइन कैरी कर सकती हैं। इन ब्लाउज को अपने आउटफिट में शामिल करके अपने लुक को खास बना सकती हैं।

ओवल कट ब्लाउज

ओवल कट ब्लाउज डिजाइन कैरी कर सकती हैं। बोल्ड लुक के साथ यह आपको स्टाइलिश लुक देने का काम करेगा। आपको इस साड़ी में काफी स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक मिलेगा। इसमें आप गोल्डन जरी बॉर्डर और क्रिस्टल की 3 लेयर लटकन लगा सकती हैं।

बो -टाई ब्लाउज

बो टाई ब्लाउज डिजाइन इन दिनों सबसे ज्यादा वायरल है। बैक पर ओवल कट, ऊपर छोटा टस्सेल और कमर पर बड़ा बो टाई का डिजाइन काफी अच्छा लगता है। फेस्टिवल में भी यह ब्लाउज काफी अच्छा लगेगा। सिल्क की साड़ी पर यह ब्लाउज काफी अच्छा लगता है।

स्क्वायर बैक ब्लाउज

स्क्वायर बैक ब्लाउज डिजाइन आजकल काफी ट्रेंड में है। अगर आपकी बैक भी ब्रॉड है, तो उस पर इस डिजाइन वाला ब्लाउज काफी अच्छा लगता है। इसमें डबल लटकन और लंबी डोरी लगा सकती हैं। इसमें आपको सेलिब्रिटी लुक मिलेगा। खूबसूरत ब्लाउज के साथ साड़ी पहन सकती हैं।

बटरफ्लाई कट ब्लाउज

रॉयल लुक पाने के लिए आप बटरफ्लाई कट ब्लाउज पहन सकती हैं। इसमें ब्लाउज के बीत में छोटा बटन और लंबी मोटी डोरी के साथ सुंदर लटकन लगी होती है। बनारसी या जरी वाली साड़ी के साथ यह ब्लाउज बेहद खूबसूरत लगेगा।

डीप वी कट

स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक पाने के लिए डीप वी कट ब्लाउज डिजाइन कराएं। यह ब्लाउज उन महिलाओं के लिए परफेक्ट है, जो पतली हैं। आप इस ब्लाउज को बनारसी साड़ी के साथ कैरी कर सकती हैं। वहीं इस ब्लाउज में 3 झुमका लटकन लगाकर इसको सुंदर लुक दे सकती हैं।

डीप यू कट ब्लाउज



अपने ट्रेडिशनल लुक में ग्लैमरस और मॉर्डन टच जोड़ना चाहती हैं, तो डीप यू-कट ब्लाउज और कमर पर डोरी विथ गोल्डन टस्सेल आपको बेहद प्यारा लुक देगा। यह ब्लाउज करवा चौथ पर आपको रॉयल लुक देने का काम करेगा।

Diwali Office Party के लिए परफेक्ट हैं ये 5 स्टाइलिश Outfits, शरारा से इंडो-वेस्टर्न तक



दिवाली ऑफिस पार्टी में स्टाइलिश दिखने के लिए महिलाएं पारंपरिक परिधानों की जगह कुछ नया आजमा सकती हैं। इसके लिए हाफ स्लीव्स शरारा सूट, कुर्ती-फ्लेयर्ड प्लाजो, इंडो-वेस्टर्न सेट, ट्रेंडी कॉर्सेट लहंगा और साड़ी बेहतरीन विकल्प हैं। यह सभी आउटफिट्स ऑफिस के माहौल के अनुसार आरामदायक होने के साथ-साथ आपको बेहद आकर्षक लुक देते हैं।

दिवाली का त्योहार नजदीक आ चुका है। फेस्टिवल से पहले हर किसी के ऑफिस में पार्टी जरुर होती है। ऑफिस में पार्टी का माहौल रहता है। ऐसे में ज्यादातर महिलाओं की टेंशन रहती है कि इस बार क्या पहना जाए, जो स्टाइलिश भी लगे और ऑफिस के लिए परफेक्ट भी हो।

यदि आप हर साल की तरह एक तरह का कुर्ता-सलवार पहनकर बोर हो गए हैं, तो इस बार कुछ नया ट्राई करें। इस लेख में हम आपको बताएंगे 5 ऐसे लेटेस्ट आउटफिट आइडियाज, जिसे पहनकर आप ऑफिस पार्टी में जलवा बिखेर सकती हैं।

दिवाली आउटफिट आइडियाज

इस दिवाली पार्टी में कुछ यूनीक ट्राई करना चाहते हैं, तो किसी से अलग दिखना चाहते हैं, तो साड़ी के अलावा इन कपड़ों को भी पहन सकते हैं-

हाफ स्लीव्स वाला स्टाइलिश शरारा सूट

यदि आप सूट पहनना चाहती हैं, तो आप इस बार सिंपल सूट की जगह शरारा सूट ट्राई कर सकती हैं। हाफ स्लीव्स वाला शरारा सूट को पहन सकते हैं। आप डीप मरून, एमराल्ड ग्रीन या रॉयल ब्लू जैसे रिच कलर को चूज कर सकते हैं। वहीं, आप शरारा पहनकर पूरे दिन कंफर्टेबल रह सकते हैं।

कैसे करें स्टाइल- आउटफिट के साथ आप इयररिंग्स और जूती पहनें, बालों को सॉफ्ट कर्ल करके खुला छोड़ दें।

कुर्ती विद फ्लेयर्ड प्लाजो

अगर आपको हैवी वर्क पसंद नहीं है, तो आपके यह लुक बेस्ट रहेगा। सिंपल कुर्ती जैसे चिकनकारी या सूती कुर्ती के साथ फ्लेयर्ड प्लाजो पैंट का कॉम्बिनेशन बहुत क्लासी लगता है। वैसे यह लुक ऑफिस के लिए एकदम बढ़िया और सोबर हो सकता है।

ऐसे करें स्टाइल- कुर्ती का कलर पेस्टल जैसे पाउडर पिंक या मिंट ग्रीन रखें। इसके साथ ही पोटली बैग कैरी कर सकते हैं।

ब्यूटीफुल इंडो-वेस्टर्न सेट

यदि आपको कुछ अलग और मॉर्डन पहनना है, तो आप इंडो-वेस्टर्न सेट आपके लिए है, धोती-पैंट के साथ शॉर्ट कुर्ती या केप स्टाइल टॉप के साथ पैंट्स। इस तरह का लुक आपको भीड़ में सबसे अलग दिखाएगी और आप इसमें काफी कॉन्फिडेंट महसूस होगा।



साड़ी

दिवाली पर आप चाहे तो साड़ी को पहन सकते हैं। यदि आपको साड़ी में एकदम ग्रेसफुल लुक चाहिए, तो ऑर्गेंजा या टिश्यू सिल्क की साड़ी चुनें। आजकल रेडीमेड ब्लाउज वाली साड़ी भी मार्केट मिलती है, उसे भी पहन सकते हैं।

कैसे करें स्टाइल- साड़ी को सीधे पल्ले की जगह नॉर्मल स्टाइल में ड्रेप करें और बेल्ट से सिक्योर कर लें, जिससे काम करते समय कोई दिक्कत न हो।

कैसे करें स्टाइल- इस लुक के साथ ही हील्स पहन सकते हैं, जिससे धोती पैंट का फ्लेयर अच्छे से नजर आएं।

ट्रेंडी कॉर्सेट लहंगा

आप चाहे तो कॉर्सेट टॉप के साथ ही लहंगा पहन सकते हैं। आजकल इस तरह की आउटफिट पसंद की जा रही है। कॉर्सेट ब्लाउज आपके फिगर को सुंदर शेप देता है और लहंगे को मॉर्डन टच प्रदान करेगा। आप वेलवेट या सिल्क फैब्रिक में कॉर्सेट लहंगा खरीद सकती हैं।

ऐसे करें स्टाइल- कॉर्सेट लहंगे के साथ हैवी नेकलेस अवॉयड कर सकते हैं, सिर्फ स्टड इयररिंग्स पहनें। मेकअप के लिए लिप्स को बोल्ड रखें।

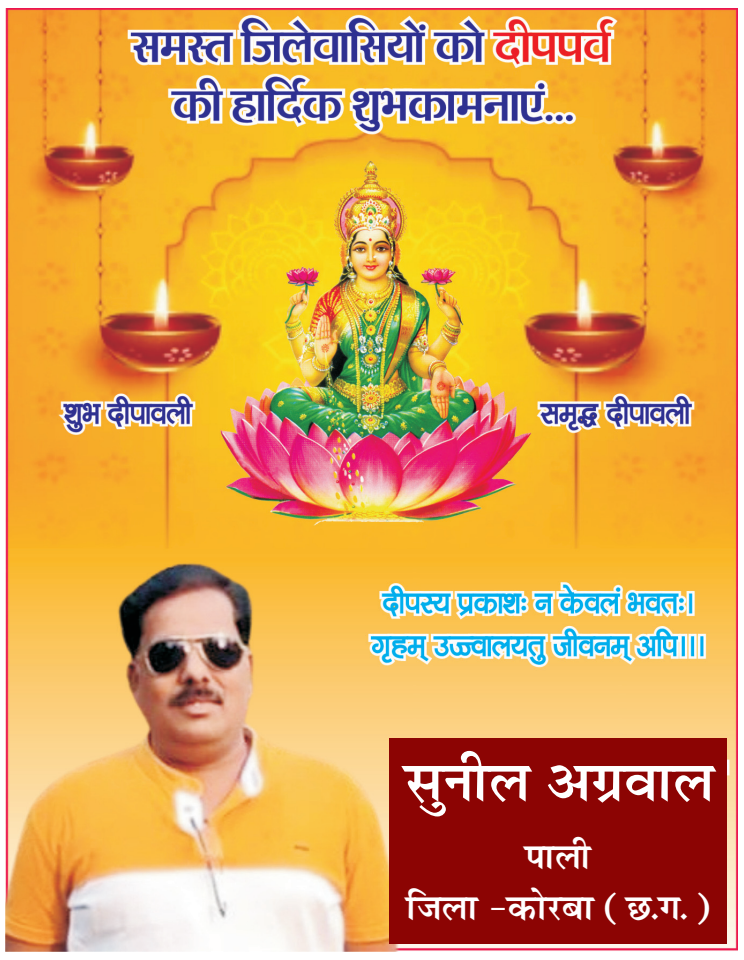






इस समय मोडल डिजिटल प्रिंट, जॉर्जेट शिमर, ऑर्गेंजा सिल्क, गोटा पट्टी और अजरक मिरर वर्क वाली साड़ियां खूब पसंद की जा रही हैं। ये साड़ियां त्योहार पर महिलाओं को आरामदायक अनुभव के साथ खूबसूरत और मॉडर्न लुक प्रदान करती हैं।


शुभ दीपावली - समृद्ध दीपावली
शुभं करोति कल्याणं, आरोग्यं गुणः संपदां।
दुष्ट बुद्धि विनाशाय, दीप ज्योति नमोस्तुते।।
सस्त जिलेवासियों को
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं...
शैलेष सिंह
भाजपा नेता
पाली जिला-कोरबा (छ.ग.)


समस्त जिलेवासियों को दीपपर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं...
शुभ दीपावली
समृद्ध दीपावली
दीपस्य प्रकाशः न केवलं भवतः।
गृहम् उज्ज्वालयतु जीवनम् अपि।।।
सुनील अग्रवाल
पाली
जिला -कोरबा (छ.ग.)


शुभ-लाभ
असतो मा सद्गमय
समस्त जिलेवासियों को
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं...
राजकुमार अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष
अग्रवाल सभा कोरबा
मे. श्वेता कंस्ट्रक्शन (सिविल इंजीनियर्स
एण्ड कांट्रेक्टर्स) टी.पी. नगर कोरबा


समस्त प्रदेशवासियों को दीपपर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं...
समृद्धि का दीया प्रदेश के
हर घर को आलोकित करता रहे।
भुवनेश्वर तिवारी
भाजपा नेता, कोरबा जिला-कोरबा


दीपावली का शुभ आगमन
आप सबके लिए मंगलकारी हो इन्हीं शुभकामनाओं के साथ
दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं...
सुभाष जैन
नरेश जैन
ला. संतोष जैन
पूर्व वाई. सी. ई. चेयरपर्सन
बोहरा परिवार
की ओर से
शुभ दीपावली
मेसर्स पाल ट्रांसपोर्ट कम्पनी
❖ पाल टायर्स ❖ तिरूपति मूवर्स
❖ कन्सल मूवर्स ❖ नरेश ट्रांसपोर्ट कम्पनी
449, इंदिरा कामर्शियल काम्पलेक्स ट्रांसपोर्ट नगर
इंदिरा स्टेडियम के सामने कोरबा मो. नं. 98271-64776


समस्त जिलेवासियों को दीप पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं...
अशोक मित्तल
सौजन्य : मे. अशोक मित्तल (इंजीनियर्स एण्ड कांट्रेक्टर्स)
कोरबा जिला-कोरबा


दीपपर्व की अशेष
शुभकामनाएं...
मे. नंद किशोर अग्रवाल
सिविल इंजीनियर्स एवं कांट्रेक्टर्स, अग्रोहा मार्ग कोरबा, जिला-कोरबा


शुभ दीपावली
FESTIVAL OF LIGHTS
समस्त जिलेवासियों को
दीप पर्व की
हार्दिक बधाई
एक शुभचिंतक
कोरबा, जिला-कोरबा


दीपावली का दीया आप सभी के घरों को
खुशियों से आलोकित करता रहे,
इन्हीं शुभकामनाओं के साथ
दीप पर्व
की अनंत शुभकामनाएं...
शुभं करोति कल्याणं
आरोग्यं गुणः सम्पदाम
दुष्ट बुद्धि विनाशाय
दीप ज्योति नमोस्तुते।
गजेन्द्र मानसर
भाजपा नेता कोरबा
पोस्ट- बालकोनगर, जिला-कोरबा


समस्त जिलेवासियों को
दीपपर्व की
अशेष शुभकामनाएं...
अनुप अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष
भाजपा मण्डल कोरबा
सौजन्य : दीनदयाल मार्केट, कोरबा


रिद्धि
शुभ दीपावली
सिद्धि
महालक्ष्मी नमस्तुभ्यं
नमस्तुभ्यं सुरेश्वरी।
हरिप्रिये नमस्तुभ्यं
नमस्तुभ्यं दयानिधे।।
इन्हीं शुभकामनाओं के साथ
समस्त प्रदेशवासियों को
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं...
प्रशांत मिश्रा
महासचिव
प्रदेश कांग्रेस कमेटी छ.ग.
सुरेश गुप्ता
पूर्व एल्डरमेन
नगर पंचायत पाली
समस्त कांग्रेस जन


मे. बी.बी. वर्मा
सिविल इंजीनियर्स एण्ड कांट्रेक्टर्स
कोरबा, जिला-कोरबा
शुभ दिवाली
FESTIVAL OF LIGHTS


पंजीयन क्र. - 122202313506
छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ
(संबद्धता - राष्ट्रीय वितरक महामंच)
प्रधान कार्यालय : न्यू पानी टंकी परिवहन नगर, जिला-कोरबा (छ.ग.) पिन - 495 677
धनतेरस एवं दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएँ
पी.एस. चंदेल
प्रदेश अध्यक्ष
विपेन्द्र कुमार साहू
जिला अध्यक्ष कोरबा


नव दीप जले, जीवन में नव फूल खिले।
नित नए बहार मिले, दीपोत्सव की खुशी मिले।।
समस्त जिलेवासियों को दीपपर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं...
शुभ दीपावली
समृद्ध दीपावली
गोविंद सिंह नेताम
पूर्व एल्डरमेन -नगर पंचायत छुरीकला, पूर्व सरपंच-ग्राम पंचायत छुरीकला
पूर्व जनपद सदस्य -ज.पं. कटघोरा, जिला-कोरबा

06 नवम्बर को भगवान धनवंतरी जयंती पर प्रज्ञा संजीवनी-वन औषधालय पाली में चिकित्सा शिविर का होगा आयोजन

पाली (दिव्य आकाश)।

प्रज्ञा संजीवनी-वन औषधालय पाली के संचालक एवं पारंपरिक चिकित्सा विशेषज्ञ वैद्यराज रामफल पटेल आरोग्य के देवता भगवान श्री धनवंतरी के अनंत उपासक हैं और उनकी कृपा से ही वैद्यराज रामफल पटेल क्षेत्र में पारंपरिक चिकित्सा के माध्यम से हजारों लोगों को गंभीर बीमारियों से निजात दिलाई।

इस वर्ष भी वैद्यराज रामफल पटेल 06 नवम्बर 2026 को आरोग्य के देवता भगवान



श्री धनवंतरी जयंती पर पाली बस स्टैण्ड स्थित स्वयं की संस्थान प्रज्ञा संजीवनी-वन औषधालय प्रांगण में विशाल आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन करने जा रहे हैं।

वैद्यराज श्री पटेल ने बताया कि भगवान श्री धनवंतरी विश्व के प्रथम चिकित्सक हैं और सनातन काल में वे देवताओं का ईलाज दुर्लभ जड़ी बुटियों से करते थे। कलयुग में कई गंभीर बीमारियों से निजात दिलाने के लिए ही उन्होंने आयुर्वेद का निर्माण किया, जिसमें सभी रोगों का ईलाज बताया गया है। वैद्यराज रामफल पटेल ने बताया कि आरोग्य के देवता होने के कारण उनकी पूजा मात्र से ही लोगों को आरोग्य की प्राप्ति होती है।

शिविर के मुख्य अतिथि होंगे डॉ. पवन सिंह

06 नवम्बर को धनवंतरी जयंती पर पाली बस स्टैण्ड स्थित प्रज्ञा संजीवनी-वन औषधालय परिसर में विशाल आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें नाड़ी परीक्षण के साथ आवश्यक आयुर्वेद दवाईयों का वितरण किया जाएगा और विभिन्न बीमारियों के बारे में जानकारी दी जाएगी और उनके निदान का उपाय भी वैद्यराज रामफल पटेल द्वारा बताया जाएगा।

इस चिकित्सा शिविर का शुभारंभ जिला पंचायत कोरबा अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह करेंगे।

वैद्यराज रामफल पटेल की अपील

वैद्यराज रामफल पटेल ने क्षेत्र के समस्त लोगों से अपील करते हुए चिकित्सा शिविर में शामिल होने का आग्रह किया है और चिकित्सा शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। वैद्यराज रामफल पटेल ने बताया कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धति से पुरानी से पुरानी बीमारी ठीक हो जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि कैंसर जैसी लाईलाज बीमारी का ईलाज पारंपरिक चिकित्सा पद्धति में संभव है।



झोराघाट पिकनिक स्पॉट में सुविधा बढ़ाने पर कोई जोर नहीं, जो बुनियादी सुविधाएं हैं, वह भी बदत्तर स्थिति में

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कटघोरा वनमंडल अंतर्गत ग्राम पंचायत झोराघाट को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का दावा किया जाता रहा है, लेकिन यह अभी तक प्राकृतिक सौंदर्य के कारण पिकनिक स्पॉट के रूप में ही जिले में विख्यात है। इस खुबसूरत स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए न तो विभाग ध्यान दे रहा है, न ही यहां के जनप्रतिनिधि। जो सुविधाएं मुहैय्या कराई गई हैं, वह भी बदहाल स्थिति में है।

सुलभ काम्पलेक्स जर्जर

झोराघाट में खासकर महिलाओं



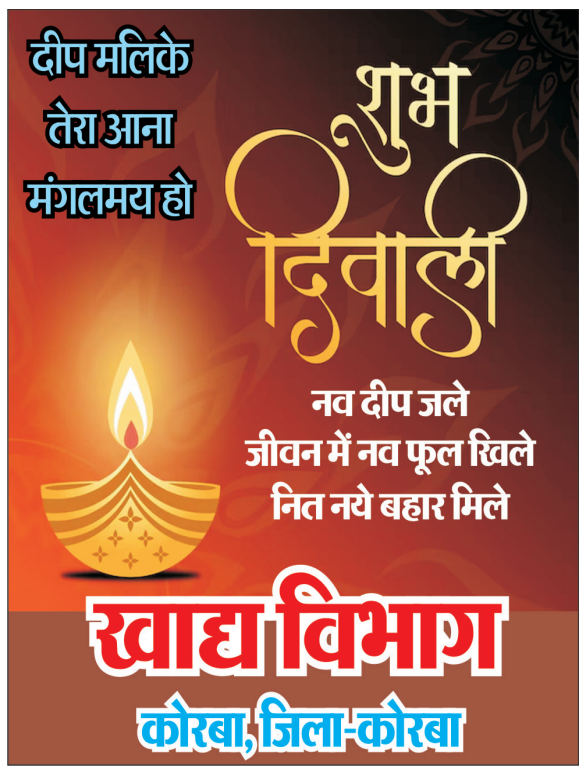
के लिए सुलभ काम्पलेक्स बनाया गया है, वह रख-रखाव के अभाव में जर्जर हो चुका है, जो उपयोग लायक ही नहीं बचा। पिकनिक मनाने जाने वाले खासकर महिलाओं को इसके कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पीने के लिए पानी का एकमात्र साधन बोरवेल, वह भी खराब

पिकनिक मनाने झोराघाट पहुंच रहे लोगों के लिए यहां पेयजल के लिए कोई व्यवस्था नहीं है, एक बोरवेल स्थापित किया गया है, वह भी खराब हो चुका है, यहां तक उसका हैण्डल भी गायब है।

झोराघाट में बढ़ाई जाए सुविधा

अखबार वितरक संघ की कोरबा इकाई के जिला अध्यक्ष विपेन्द्र साहू ने झोराघाट पिकनिक स्पॉट की दुर्दशा पर कहा कि झोराघाट एक प्राकृतिक सौंदर्य का बहुत बड़ा केन्द्र है और कोरबा में करोड़ों रूपए की राशि डीएमएफ में आती है। झोराघाट को पिकनिक स्पॉट के रूप में पूरा जिला जानता है, लेकिन सुविधा न होने के कारण लोग यहां आने से कतराते हैं। पिकनिक स्पॉट झोराघाट को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है और यहां का विकास होगा तो जिला ही नहीं पूरे प्रदेश से लोग आएंगे और सैलानियों की संख्या बढ़ने से यहां रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। श्री साहू ने यहां तत्काल बुनियादी सुविधाएं बहाल करने की मांग की है।





नितीन दुबे का भव्य स्वागत



कोरबा (दिव्य आकाश)। छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा छत्तीसगढ़िया सिंगर नितिन दुबे कोरबा आगमन पर गुलदस्ता देकर स्वागत किया, जिसमें जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू, जिला सचिव जयकुमार नेताम, सदस्य-हर्ष नेताम, राहुल देवांगन, विजय देवगन आदि उपस्थित थे।









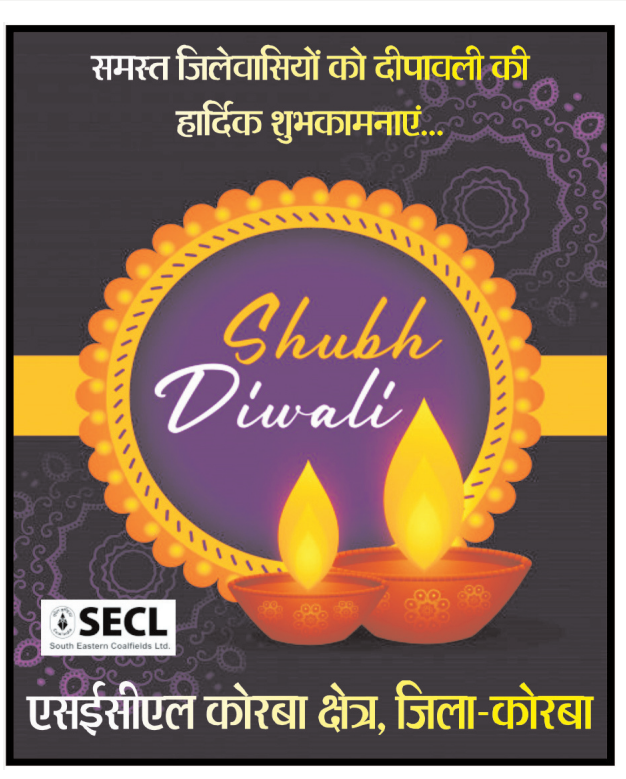












समस्त प्रदेशवासियों को धनतेरस एवं दीपावली पर स्वस्थ एवं समृद्ध जीवन की अनंत शुभकामनाएं...

DENTAL CARE CENTRE

मुस्कुराईये आप डेंटल केयर सेंटर में हैं...

दांत से संबंधित समस्त बीमारियों का ईलाज एक ही छत में ...



शुभ दीपावली समृद्ध दीपावली...



DIRECTOR

डॉ. संजय अग्रवाल
B.D.S.
Dental & Oral Surgeon

डॉ. अनिता अग्रवाल
B.D.S.
Dental & Oral Surgeon

विशाल एवं भव्य डेंटल क्लीनिक
अत्याधुनिक उपकरणों के साथ







स्वच्छ, स्वस्थ हों जिनका मुख,
पाएं निरोगी जीवन का वो सुख।
गुटखा - पान मसालों से रहें दूर,
स्वस्थ होगा दांत मस्त रहेंगे आप।



विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उपलब्ध

Dr. Sunil Vyas (M.D.S.)
Oral & Maxillofacial Surgeon
हर प्रकार की मुख से संबंधित बीमारियों कैंसर आदि की शल्य चिकित्सा के विशेषज्ञ।

Dr. Sandeep Thosar (M.D.S.)
Orthodontist
आड़े तिरछे दांतों को सीधा करने के विशेषज्ञ

Dr. Kshitij Dwivedi (M.D.S.)
Prosthodontist & Implantologist
दांत लगाने के विशेषज्ञ

उपलब्ध सुविधाएं-

- LASER द्वारा मसूड़ों की हर तरह की बीमारी का इलाज
- एक मात्र दांत चिकित्सालय जहां FIXED तार द्वारा आड़े-तिरछे दांतों को सीधा किया जाता है ।
- ROOT CANAL TREATMENT के लिये अत्याधुनिक GERMENY से आयातित मशीन का उपयोग
- टूटे हुए जबड़ों व मुख के CANCER के आपरेशन की सुविधा
- मात्र 24 से 36 घंटे में FIX दांत लगाने की सुविधा

C1 C2 -15, कोसाबाड़ी, निहारिका टाकिज के पास, कोरबा
फोन : 227254 मो. 98271-62340

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com